डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 70 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | रविवार 22 दिसम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया

जिले में मार्केटिंग करने के लिए
युवक-युवतियों की
आवश्यकता
कमीशन के साथ उपहार भी
**** सम्पर्क करें ****
तथास्तु फाउण्डेशन एवं सांवरिया सेठ मानव सेवा समिति
शामगढ़, जिला-मंदसौर (म.प्र.)
मो-9575266794, 9179768001

बदलाव: शिक्षाधिकारी ही संभालेंगे कक्षा एक से आठवीं तक का जिम्मा

पोर्टल देगा अतिशेष-रिक्त शिक्षक और बच्चों की जानकारी

मंदसौर, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। वर्तमान में कक्षा एक से आठवीं का जिम्मा बीआरसी संभाल रहे हैं। लेकिन, इस व्यवस्था में अब बदलाव होने जा रहा है। अब जिला शिक्षाधिकारी ही एक से आठवीं तक की व्यवस्था संभालेगे। मतलब बीआरसी की व्यवस्था खत्म होगी। ब्लॉक लेवल एरिया एजुकेशन ऑफिसर की नियुक्ति की जाएगी। इसके लिए शिक्षा विभाग पहली बार एआई आधारित पोर्टल डेवलप कर रहा है। यह शाला त्यागी बच्चों की जानकारी विभाग को देगा। किस स्कूल में शिक्षकों की कमी है, कहां अतिशेष शिक्षक हैं, इससे विभाग को अपडेट करा देगा। ऐसे में शिक्षा विभाग के कार्य भी समय पर पूरे होंगे। सूत्रों के अनुसार भविष्य में शिक्षकों की उपस्थिति भी फेस रीडिंग के साथ इसी पोर्टल से स्कूल में ली जाएगी।

शिक्षा विभाग द्वारा बीआरसी को खत्म करते हुए एईओ (एरिया एजुकेशन ऑफिसर) शुरू करने की तैयारी तेज कर दी है। इसके अंतर्गत विभाग द्वारा पहली बार एजुकेशन पोर्टल 3.0 को एआई आधारित बनाया जा रहा है। इस पर अब विभाग द्वारा जिले के सभी स्कूलों का सत्यापन कर उसकी जीआई मैपिंग की जाएगी। इसमें कौन-कौन से स्कूल बंद हैं, उन्हें हटाया जाएगा। केवल वर्तमान में जो स्कूल चल रहे हैं, उनकी जानकारी अपडेट की जाएगी। इसमें निजी व सरकारी सभी स्कूल शामिल किए जाएंगे। 35 से 40 स्कूलों पर एक एरिया एजुकेशन ऑफिस रहेगा। यहां पर ऑफिसर नियुक्त होंगे, जो इन स्कूलों की निगरानी करेंगे। यह व्यवस्था नए शिक्षण सत्र से शुरू होना है। इससे जिले सहित प्रदेश में बीआरसी व संकुल की व्यवस्था खत्म होगी। पहली से 12वीं तक की सभी कक्षाओं की जिम्मेदारी जिला शिक्षा अधिकारी को ही दी जाएगी। अभी पहली से 8वीं राज्य शिक्षा केंद्र व 9वीं से 12वीं की जिम्मेदारी जिला शिक्षा अधिकारी के पास है। इससे कार्य व शिक्षा प्रभावित हो रही है।

सभी तरह का डाटा एक क्लिक पर...

* एआई पोर्टल होने से हर तरह का एनालिसिस डाटा एक क्लिक पर मिलेगा। * कौन-सा विद्यार्थी कहां पढ़ाई कर रहा, यह जानकारी मिलेगी। * किस स्कूल में, किस ब्लॉक में, किस जिले में कितने विद्यार्थी हैं, यह पोर्टल बता देगा। * कौन सा विद्यार्थी कितनी दूरी से स्कूल जा रहा, यह भी पोर्टल बता देगा। इससे विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को चिन्हित करने में आसानी होगी। * सरकारी योजनाओं के हितग्राहियों को पोर्टल ही चिन्हित कर देगा, जैसे लेपटॉप वितरण, साइकिल वितरण, पुस्तक वितरण आदि की जानकारी अपडेट मिलेगी।

टीम करेंगी सत्यापन...

टीम द्वारा जिले के सभी सरकारी व निजी स्कूलों में काम करने वाले शिक्षकों का सत्यापन किया जाएगा। किस क्लास में कितने विद्यार्थियों पर कितने शिक्षकों की आवश्यकता है, यह पोर्टल पर जानकारी अपलोड की जाएगी। कहां कितने शिक्षक हैं, यह जानकारी सत्यापित कर अपलोड की जाना है। पोर्टल ही आवश्यकता होने पर शिक्षकों की नियुक्ति का अलर्ट विभाग को देगा, अतिशेष होने की जानकारी भी पोर्टल से मिल जाएगी। मैन्युअल कार्य खत्म हो जाएगा। इससे संविदा शिक्षकों की भर्ती व अन्य प्रक्रिया तय समय पर पूरी होगी व शिक्षा में सुधार होगा।

डाटा होगा पोर्टल में अपडेट...

एआई बैस पोर्टल में अभी सभी विद्यार्थियों का डाटा अपलोड किया जाएगा। इसे वर्तमान में तैयार की जा रही अपार आईडी से लिंक किया जाएगा। इससे कोई विद्यार्थी एक स्कूल को छोड़कर देश के किसी भी स्कूल में प्रवेश लेता है तो उसकी जानकारी पोर्टल के पास होगी। इसी तरह एक क्लिक पर पोर्टल शाला त्यागी बच्चों की जानकारी भी उपलब्ध कराएगा।

इनका कहना...

फिलहाल लिखित में निर्देश तो नहीं मिले हैं। लेकिन, बदलाव की कवायद जरूर चल रही है।

लोकेंद्र डाबी, जिला शिक्षा अधिकारी, मंदसौर

प्रयागराज कुंभ से पहले सक्रिय हुए साइबर ठग

इंदौर, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रयागराज महाकुंभ में लाखों लोग पुण्य लाभ लेने के लिए आतुर हैं। इसका फायदा उठाने को बदमाश सक्रिय हो गए हैं। प्रयागराज में होटल रूम बुकिंग के लिए बड़ी कंपनियों के नाम से फर्जी वेबसाइट बना कर लोगों को ठगा जा रहा है। इंदौर में एक इवेंट कंपनी संचालक ने परिजन के लिए इंटरनेट पर होटल बुकिंग के लिए वेबसाइट सर्च की। बुकिंग के लिए एक वेबसाइट की ओर से क्यूआर कोड भेजकर उनसे 50 हजार ले लिए गए। बाद में पता चला कि यह फर्जी वेबसाइट थी।

साइबर एक्सपर्ट्स के अनुसार ठगों ने नामी होटलों की 50 से ज्यादा फर्जी वेबसाइट्स बनाई थी, जिन्हें बंद करवा दिया है। अभी 50 अन्य संदेहास्पद वेबसाइट्स की जांच जारी है। पुलिस ने इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। क्राइम ब्रांच इंदौर एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि केदारनाथ दर्शन के लिए हेलीकॉप्टर बुक करने के नाम पर भी इस तरह की ठगी हो चुकी हैं। कुछ दिनों में कई केस सामने आए हैं, जिसमें आरोपियों ने किसी कंपनी या होटल के नाम से फर्जी वेबसाइट बनाकर लोगों को शिकार बनाया।

इनका रखें ध्यान...

* ऑनलाइन बुकिंग करने के पहले गूगल से नंबर कभी नहीं निकालें। * वेबसाइट पर सर्च करने से पहले उसकी अच्छी तरह से जांच कर लें। * संदिग्ध वेबसाइट की वायरस टोटल डॉट कॉम नामक वेबसाइट पर जाकर जांच कर सकते हैं। * असली वेबसाइट से मिलते-जुलते नाम की वेबसाइट की स्पेलिंग ठीक से जांच करें। * वेबसाइट्स की जांच उनके आधिकारिक यूआरएल से ही करें। * होटल बुकिंग और अन्य सेवाओं के लिए विश्वसनीय प्लेटफॉर्म का उपयोग करें। * किसी भी फर्जी वेबसाइट या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी पुलिस को दें।

यहां से ले सकते हैं महाकुंभ की जानकारी...

कुंभ डॉट जीओवी डॉट इन और प्रयागराज डॉट एनआइसी डॉट इन का उपयोग कर सकते हैं। इसके माध्यम से मोबाइल ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। मोबाइल पर कोई टेक्स्ट मैसेज, वॉट्सऐप और ग्रुप के माध्यम से वेब एड्रेस भेजकर लुभावने ऑफर दे, तब उस पर क्लिक न करें। कोई विज्ञापन देखकर साइबर ठगों के झांसे में नहीं आएं। सरकारी वेबसाइट का ही उपयोग करें।

चातक वाजपेई, साइबर एक्सपर्ट

सेवानिवृत होने वाले कर्मियों का प्रशिक्षण 26 को

मंदसौर, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। संचालनालय पेंशन, भविष्य निधी एंव बीमा म.प्र. भोपाल ने पत्र जारी किया है। जिसमें आगामी तीन माह में सेवा निवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों का आईएफएमआईएस साफ्टवेयर पर ई-दक्ष केन्द्र बुनियादी प्रशिक्षण संस्थान में 26 दिसंबर को दोपहर 12.30 बजे प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है। प्रशिक्षण में माह जनवरी 2025 से मार्च 2025 तक सेवा निवृत्त होने वाले शासकीय सेवको एवं संबंधित कार्यालय के पेंशन शाखा प्रभारी को आईएफएमआईएस पेंशन मॉडल की समस्त गतिविधियों के संबंध में प्रशिक्षण दिया जावेगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में संलग्न सूची अनुसार माह जनवरी 2025 से मार्च 2025 तक सेवा निवृत्त होने वाले शासकीय सेवक एंव शाखा प्रभारी को अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के लिए कहा गया है।

पूर्व सीएम दिग्विजयसिंह बोले...

संसद में भाजपा कर रही नौटंकी

रतलाम, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। एक दिवसीय दौरे पर रतलाम पहुंचे मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने

संसद में हुई धक्का-मुक्की को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि, भाजपा अपनी कार गुजारियां छिपाने के लिए संसद में नौटंकी कर रही है।

दिग्विजय ने कहा कि सांसद प्रियंका गांधी और इंडिया गठबंधन की अन्य महिला सांसदों को संसद द्वार पर प्रदर्शन कर रहे भाजपा सांसदों ने प्रवेश करने से रोका। वहीं, हमारे बुजुर्ग नेता मल्लिकार्जुन खड़गे समेत अन्य नेताओं को भी रोका गया। इसी दौरान भाजपा का ही एक सांसद दूसरे सांसद पर गिर गया। इसमें कांग्रेस का क्या दोष? राहुल गांधी जी का क्या दोष? राहुल गांधी वहां थे भी नहीं। लेकिन, उनपर एफआईआर दर्ज करा दी गई। श्री सिंह जावरा जाने से पहले रतलाम में पत्रकारो से चर्चा कर रहे थे।

जंगल में मिले सोने पर बोले...

दिग्विजय सिंह ने भोपाल के जंगल में खड़ी कार में बड़ी मात्रा में मिले सोने को लेकर कहा कि, भाजपा के मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री, मंत्रियों और दलालों के घर पर छापा डालो तो न जाने क्या-क्या मिलेगा।

अडानी पर जवाब न देना पड़े, इसलिए...

बता दें कि दिग्विजय सिंह जावरा में पूर्व गृहमंत्री भारत सिंह के निधन के बाद आयोजित शोक बैठक में शामिल होने पहुंचे थे। यहां पत्रकारों से चर्चा के दौरान दिग्विजय सिंह ने कहा कि, केंद्र सरकार को अडानी मामले पर कोई स्पष्टीकरण न देना पड़े, इसके लिए ये पूरी स्क्रिप्ट जानबूझकर रची गई है।

शाह का इस्तीफा ले लिया जाना था...

दिग्विजय सिंह ने कहा बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर पर की गई टिप्पणी के लिए देश के गृहमंत्री अमित शाह को माफी मांगनी चाहिए। माफी न मांगने के इतने अडिग रवैय्ये के चलते तो अब तक उनका इस्तीफा ले लिया जाना था। लेकिन, प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह की विचारधारा संविधान के खिलाफ है, इसीलिए बात को दोष न मानते हुए कार्रवाई नहीं की गई है।

महिला कांग्रेस को मजबूत करें...

मीडिया से चर्चा के बाद रतलाम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात के दौरान दिग्विजय सिंह ने सलाह देते हुए कहा कि महिला कांग्रेस कमजोर हो गई है। संगठन को मजबूत कीजिए। कार्यकर्ताओं से मुलाकात के बाद दिग्विजय सिंह जावरा के लिए रवाना हो गए।

पिस्टल व तलवार के साथ 2 धराए

पिपलियामंडी, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने पिस्टल व तलवार सहित दो आरोपियों को पकड़ा। न्यायालय ने आरोपियों को जेल भेजने के आदेश दिए। पुलिस को अब पिस्टल देने वाले की तलाश है। मुखबिर की सूचना पर पिपलिया पुलिस ने गांव सेमली में अम्बाव .... शेष पेज 4 पर

पीजी कॉलेज प्राचार्य पर आरोप- छात्राओं से कहते हैं जींस, टॉप पहनकर आओ, मेरे साथ रील बनाओ...

कॉलेज के सामने चक्काजाम-नारेबाजी

[छात्राएं बोली- गीता पढ़ने से भी रोकते हैं प्राचार्य]

मंदसौर, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। पीएम एक्सीलेंस पीजी कॉलेज के प्राचार्य राजकुमार वर्मा के खिलाफ छात्राओं ने गंभीर आरोप लगाए हैं। छात्राओं ने कहा कि प्राचार्य आरसी वर्मा उनसे जींस-टॉप पहनकर आने और साथ में रील्स बनाने के लिए कहते हैं। वे गीता पढ़ने से भी रोकते हैं। कॉलेज की एक छात्रा ने प्राचार्य के खिलाफ थाने में एफआईआर भी कराई है। इसे लेकर शनिवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी के नेतृत्व में छात्रों ने प्रदर्शन कर प्राचार्य का पुतला फूंका। उन्होंने हाईवे पर करीब तीन घंटे तक चक्काजाम किया। इससे सड़क के एक तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना मिलने पर अपर कलेक्टर एकता जायसवाल, एडिशनल एसपी गौतम सोलंकी मौके पर पहुंचे। वहां पुलिस बल तैनात किया। समझाइश के बाद प्रदर्शनकारी छात्र माने।

अभाविप छात्र संयोजक विजय ने कहा कि लीड कॉलेज के प्राचार्य अपनी मर्यादा भूल गए हैं। छात्राओं से नृत्य करवाना चाहते हैं। वे हिंदू धर्म के पवित्र ग्रंथ गीता को पढने के लिए मना करते हैं।

छात्राओ ने की ड्रेस कोड लागू करने की मांग...

पीजी कालेज की छात्रा निशा जैन ने कहा, जींस- टॉप पहनना गलत नहीं है। लेकिन, प्राचार्य ने जिस अंदाज में बोला है वह गलत है। वे अकसर कहते हैं कि गीता नहीं पढ़ना चाहिए। गीता का ज्ञान नहीं बांटना चाहिए, यह हमारे धर्म के खिलाफ है। उन्हें हमारे सनातन के बारे में गलत बोलने का कोई अधिकार नहीं है। हम चाहते हैं कि कॉलेज में ड्रेस कोड लागू हो, ताकि जो बाहरी तत्व आते हैं, उनका भी पता लगाया जा सके।

स्कूल वेन पलटी, कई बच्चे घायल

सीतामऊ, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शनिवार को खेजडिया से महुवी होकर अर्नियागौड़ जा रही स्कूली वैन अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। जिससे वेन में सवार चार-पांच बच्चे घायल हो गए। घटना के तत्काल बाद ग्रामीणों ने अपने वाहनों से बच्चो को अस्पताल पहुंचाया। घटना शाम 4 बजे की बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार सरस्वती शिशु मंदिर की वेन स्कूल से बच्चो को छोड़ने जा रही थी। इसी दौरान वेन अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। बताया जा रहा हैं कि बच्चो की चिकित्सा की गई। सभी बच्चो की स्थिति ठीक बताई जा रही है।

श्मशान की सफाई शुरु

वार्ड वासियों ने प्रशासन से कहा, श्मशान के अतिक्रमण को हटाए

मनासा, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर के वार्ड 13 में स्थित श्मशान घाट पर जीर्ण शीर्ण हो रहे प्रतीक्षालय, लकड़ी भंडार गृह, बैठने के लिए लगाई गयी सीमेंट की कुर्सियों एवं श्मशान घाट की साफ सफाई आदि का कार्य शनिवार से प्रारंभ किया गया। वहीं श्मशान घाट के चारो तरफ हो रहे अतिक्रमण एवं श्मशान घाट पहुंच मार्ग में हो रहे अवैध निर्माण को लेकर मनासा एसडीएम पवन बरिया, नगर परिषद् मनासा सीएमओ रितेश पाटीदार एवं पुलिस एसडीओ विमलेश उइके को आवेदन के माध्यम से वार्ड वासियों ने अतिक्रमण हटाने की मांग की।

अपने आवेदन में वार्डवासियो ने कहा कि श्मशान घाट के चारो तरफ हो रहे अवैध कब्जो में मनासा विधानसभा के आस पास के कई गांव से आकर लोगो ने अवैध कब्जे जमाये है। वहीं कुछ लोग अन्य जिलों के तो कुछ यहा देश के अन्य इलाको के लोग भी मिल जाएंगे। यदि यहां धरातल पर कर्मचारियों द्वारा एक सर्वे किया जाये तो कई प्रकार के मामलों का खुलासा हो जायेगा।

संसद के हाल:अदानी मुद्दा खत्म, आंबेडकर का अपमान ताप पर, बाकी समस्या गौण...

मंदसौर/उज्जैन, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। भारतीय संसद की कार्य प्रणाली की गिरावट का दौर चरम पर पहुंच गया है। इसी सरकार के बीते शासन काल में 750 किसानों की आंदोलन के दौरान मौत को सरकार के मुखिया ने सिरे से नजरअंदाज किया था। आज भी किसान आंदोलन सड़क पर है और किसान नेता डल्लेवाल की भूख हड़ताल के चलते कभी भी मौत हो सकती है। किन्तु सरकार पर कोई असर नहीं हो रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने आवेदन पर संज्ञान लिया है। सत्ता पक्ष के अनेक सांसद ना चाहते हुए भी अडानी के पक्ष में है और विपक्ष इंडिया गठबंधन अड़ा हुआ है। जब अदानी मुद्दे पर विपक्षी दलों ने अन्य मुद्दों के लिए आवाज उठाने का तर्क दिया था। पर उसमें भी किसानों की समस्या उनके आंदोलन और डल्लेवाल की हालत विषय नहीं रहा होगा। क्योंकि, संसद में ऐसी कोई आवाज किसी ने नहीं सुनी। सत्ता पक्ष अदानी को बचाने के लिए आए बाए मुद्दे उछाल रहे थे। पर गले पड़ गया अंबेडकर का अपमान। ऐसा गले पड़ा कि केंद्र से राज्यों, जिला स्तरों पर भी प्रदर्शन, पुतला दहन की घटनाएं लगातार चल रही है। चलती भी रहेगी, यही देश की राजनीति का सूत्र है।

चन्द्रमोहन भगत

संसद के इस घटनाक्रम में देश के अन्नदाताओं के आंदोलन को सभी दलों और सांसदों ने सड़क पर ही अपने हाल पर छोड़ दिया। डल्लेवाल को चिकित्सा मिलेगी तब बेहतर कहा जाएगा वरना...।

बात संसद के निम्न स्तर प्रदर्शन की, जिसमें विपक्ष से ज्यादा सत्ता पात्र निभा रही है। सांसद तो सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के प्रतिनिधियों की है। लेकिन, जिनके कब्जे में है, उन्हें अंतरराष्ट्रीय लोक लाज से कोई मतलब नहीं है। ना अपने ही जन लोक से, जिनके मतों के सहारे वे सत्ता पर विराजे हुए हैं। इसी सदन में 19 दिसंबर 2023 तक 95 लोकसभा 46 राज्यसभा सदस्यों को निलंबित किया गया था। तब विपक्ष बहुत कमजोर था। वर्तमान संसद में बीते सत्र से बहुत अधिक प्रभावी विरोध किया जा रहा है, पर अभी तक सत्ता एक भी सांसद को निलंबित नहीं कर पाई है। संसद की कार्रवाई जितनी निम्नतम होती जा रही है। इसके कारण और निराकरण दो ही सभापति और उपसभापति के हाथों में है। इसलिए संसदीय कार्य प्रणाली जितनी निम्नतम होती जा रही है उसके लिए जिम्मेदार किसे ठहराया जाए..?

क्योंकि संसद में उठने वाला विषय अंदरूनी हो सकता है। पर, कार्रवाई नहीं, क्योंकि इस युग में इसे दुनिया निहारती है। सत्र समाप्त हो गया है। किन्तु इन बहुप्रचारित मुद्दों को अलग कर देखें तो जनता से, देश की प्रतिष्ठा से जुड़े अनेक मुद्दों को तो वर्तमान सिस्टम ने संसद में घुसने तक नहीं दिया! किसानों को इतनी शीत लहर में सड़कों पर रहना पड़ रहा है। डॉलर के मुकाबले रुपया गिरता जा रहा है। महंगाई अनियंत्रित होती जा रही है। नेपाल, भूटान हमारे विरोधी होते जा रहे हैं। बांग्लादेश के बंदरगाह पर चीनी युद्ध पोत का रुकना और 2025 में सैनिक अभ्यास की तैयारी करना, जैसी अनेक देश के लिए बहुत ही गंभीर समस्या आकार लेती जा रही है। संसद में इन पर ना कोई बोल रहा है ना ही सरकार संज्ञान ले रही है। ऐसे ही स्तर निम्न होता गया तो बेरोजगार, महंगाई से मार खा रहे युवा, जाति दंगों से परेशान जनता सडक पर आ जाएगी। तब, शायद इसे ही विद्रोह कहा जाएगा।

विचार-मंथन

'वन नेशन-वन इलेक्शन' को लेकर सरकार की मंशा

संविधान संशोधन के लिए संसद के दोनों सदनों में सत्तापक्ष को दो तिहाई बहुमत की जरूरत थी। वह नहीं मिल पाया और स्वाभाविक रूप से दोनों विधेयक पारित नहीं हो सके। एक राष्ट्र एक चुनाव मौजूदा केंद्र सरकार का महत्त्वाकांक्षी विचार है। यह नारा उसने अपने पिछले कार्यकाल में ही दिया था। मगर इसे लेकर विरोध शुरू हो गया और विपक्षी दलों ने न केवल इसे अव्यावहारिक, बल्कि असंवैधानिक भी करा दिया था। सरकार ने इस पर विचार और सुझाव के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अगुआई में एक समिति गठित कर दी। उस समिति के गठन पर भी सवाल उठे कि उसके सदस्यों के पास अपेक्षित योग्यता नहीं है। मगर समिति ने विभिन्न दलों से बातचीत की, जिसमें से अनेक दलों ने इस विचार का विरोध किया था, फिर भी समिति ने सुझाव दिया कि देश में सभी चुनाव एक साथ कराए जाने चाहिए। इसके पीछे बड़ा तर्क है कि लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव अलग-अलग समय पर कराए जाने से धन और समय की काफी बर्बादी होती है। इस तर्क को खारिज करने के लिए भी अनेक उदाहरण और तर्क पेश किए गए। मगर सरकार ने इससे संबंधित दो विधेयक संसद में पेश कर दिए। एक विधेयक एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर था और दूसरा केंद्र और तीन केंद्र शासित प्रदेशों के चुनाव एक साथ कराने के लिए संविधान में संशोधन से संबंधित था। संविधान संशोधन के लिए संसद के दोनों सदनों में सत्तापक्ष को दो तिहाई बहुमत की जरूरत थी। वह नहीं मिल पाया और स्वाभाविक रूप से दोनों विधेयक पारित नहीं हो सके। अब सरकार ने इन विधेयकों को संयुक्त संसदीय समिति के पास समीक्षा के लिए भेजने का फैसला किया है। निस्संदेह यह संवैधानिक दृष्टि से संवेदनशील मुद्दा है और इसे आनन-फानन पारित करा लेने से आने वाले वक्त में कई तरह की जटिलताओं का सामना करना पड़ सकता है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि अलग-अलग चुनाव होने से न केवल खर्च कुछ अधिक होता है, बल्कि निर्वाचन आयोग और सरकार के कामकाज में भी बाधाएं आती हैं। मगर ऐसा करने के लिए जिन सरकारों का कार्यकाल बढ़ाना या घटाना पड़ेगा, उससे संवैधानिक मूल्यों को ठेस पहुंचने का खतरा रहेगा ही। फिर, यह भी कोई गारंटी नहीं कि कहीं मध्यावधि चुनाव की नौबत नहीं आएगी। उस स्थिति में कब तक सरकार का काम मुल्तवी रखा जाएगा। ऐसी स्थिति में राष्ट्रपति शासन के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में लंबे समय तक किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू किए रखना अच्छी बात नहीं होती। एक राष्ट्र एक चुनाव संबंधी विधेयक संयुक्त संसदीय समिति को सौंपने का फैसला उचित है। मगर इसके बावजूद यह अपेक्षा बनी रहेगी कि समिति के समक्ष निष्पक्ष तरीके से बहसें हों, तर्क और सुझाव रखे जाएं। सरकार उन सुझावों को उदारतापूर्वक स्वीकार करे। क्योंकि पिछले कुछ समय से संयुक्त संसदीय समिति के सामने रखे गए कुछ मामले विवादों में देखे गए हैं। उन पर हुई बहसें सवालों के घेरे में रही हैं, विपक्षी सदस्य उन पर सत्तापक्ष की मनमानियों के आरोप लगा कर खुद को अलग करते देखे गए हैं। एक साथ चुनाव कराने संबंधी विधेयक को सरकार अगर हार-जीत का मसला न बनाए और अपना हठ छोड़ कर थोड़ा लचीला रुख अपनाएगी, तभी कोई सार्थक नतीजा निकलने की उम्मीद बन सकती है। वैसे ही चुनाव प्रक्रिया पिछले कुछ समय से सवालों के घेरे में है, सरकार को अगर सचमुच धन और समय की बर्बादी की चिंता है, तो उसके दूसरे भी व्यावहारिक उपाय जुटाए जा सकते हैं।

अपनों के निशाने पर आने के बाद क्या अब नीतियों में बदलाव लाएगी कांग्रेस?

उमेश चतुर्वेदी

दिलचस्प यह है कि लोकसभा के अपने पहले भाषण में संविधान पर चर्चा के दौरान प्रियंका वाड्रा ने कहा था कि ईवीएम हटा दो, दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। प्रियंका के इस बयान के ठीक बाद सामने आए उमर अब्दुल्ला के ये शब्द महज बयान नहीं है, बल्कि इसके कई राजनीतिक अर्थ हैं। उमर के इस बयान को ममता बनर्जी और रामगोपाल यादव की अभिव्यक्ति की अगली कड़ी के रूप में रखा जा सकता है। यहां एक बार फिर दोहरा देना उचित ही होगा कि इंडिया गठबंधन के अघोषित अगुआ को रूप में राहुल गांधी को नकार चुकी हैं और समाजवादी पार्टी के महासचिव रामगोपाल यादव कांग्रेस की अगुआई को ही नकार चुके हैं। उमर अब्दुल्ला ने अपने बयान के जरिए एक तरह से साफ कर दिया है कि कांग्रेस के मौजूदा नेतृत्व में उनका भरोसा नहीं है। आज की राजनीति जिस बिंदु पर पहुंच चुकी है, उसमें अगुआ की हर गलत-सही बात का समर्थन करना ही अनुयायियों की पहली शर्त बन गई है। तार्किक आधार पर समर्थन और विरोध की सोच को हमारे समाज ने सिरे से नकार दिया है। यह नकार राजनीति में सबसे ज्यादा नजर आता है। अगुआ की बात को अनुयायी ने स्वीकार नहीं किया तो उसे सीधे-सीधे नाफरमानी या अनुशासनहीनता माना जाता है। दलीय व्यवस्था में ऐसे नकार की सजा निष्कासन और निलंबन तय है। चूंकि इंडिया गठबंधन औपचारिक कोई दल नहीं, बल्कि दलों का समूह है, लिहाजा यहां वैसी अनुशासनिक व्यवस्था नहीं है। इसके बावजूद मोटे तौर पर गठबंधनों के बीच एक समझ रही है कि गठबंधन और उसके अगुआ की सेहत पर असर ना पड़े, ऐसी बयानबाजी से दूर रहा जाए। लेकिन ममता बनर्जी, रामगोपाल यादव और उमर अब्दुल्ला के बयान के संदेश साफ हैं। संदेश यह है कि कांग्रेस की अगुआई में उन्हें नरेंद्र मोदी को चुनौती दे पाने की ताकत राहुल गांधी में नहीं दिखती। इन बयानों का एक संदेश यह भी है कि राहुल गांधी की अगुआई में इन दलों का कम से कम राष्ट्रीय स्तर पर कोई भविष्य नहीं है। लेकिन उमर अब्दुल्ला इससे आगे का भी संकेत दे रहे हैं। ईवीएम के बहाने वे कांग्रेस को यह भी संदेश दे रहे हैं कि 'मीठा-मीठा गप और कड़वा-कड़वा थू' की वैचारिक सोच वाली राजनीति लंबे समय तक नहीं चल सकती। यह कैसे हो सकता है कि जिस ईवीएम के सहारे आप अमेठी और वायनाड जीतने के बाद आप जश्न में डूब सकते हैं, जिसके सहारे 55 से 99 सीटों पर पहुंच जाते हैं तो इसे अपनी भारी जीत बताते हैं, जिस ईवीएम के ही सहारे जब आप कर्नाटक, हिमाचल और झारखंड और यहां तक कि कश्मीर जीत जाते हैं तो इसे नरेंद्र मोदी की हार बताने लगते हैं, लेकिन अगर चुनावी रणनीति में मात खाने के बाद सत्ता की दौड़ में पीछे रह जाते हैं तो ईवीएम को दोषी ठहराने लगते हैं। यह दोहरापन नहीं चलने वाला। इसे जनता भी समझने लगी है। अगर ईवीएम पर इतना ही संदेह है तो संदेह करने वाले दलों को चाहिए कि वे ईवीएम के जरिए होने वाले चुनावों का बहिष्कार करें। इसके बाद अगर चुनाव होगा तो निश्चित है कि इस चुनाव की पवित्रता सवालों के घेरे में आ जाएगी। अगर ईवीएम पर संदेह करने वाले दल चुनाव प्रक्रिया से बाहर हो जाएं तो विपक्ष विहीन चुनाव को जनता भी स्वीकार नहीं कर पाएगी और उस चुनाव को सहज लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अंग नहीं माना जा सकेगा। ऐसे में सरकार और चुनाव आयोग दबाव में आ सकते हैं। लेकिन ऐसा करने के लिए ईवीएम पर संदेह करने वाले दलों में साहस होना चाहिए। दुर्भाग्य से ऐसा साहस कोई दल दिखाता नजर नहीं आ रहा। इसकी वजह यह है कि कोई भी दल संसदीय राजनीति के उस रसूख को छोड़ने का साहस नहीं रखता, जो उसे सांसद या विधायक बनने के बाद हासिल होता है। इन दलों और उनके नेताओं को पता है कि संसद और विधानमंडल से बाहर रहने के बाद उनकी बातें गौर से सुनी नहीं जातीं और उनके शब्दों को तवज्जो भी नहीं मिलता। इसलिए वे ईवीएम पर सवाल भी उठा रहे हैं और उसी ईवीएम के जरिए संसदीय कुर्सियों पर भी काबिज रहना चाहते हैं। यह भी एक तरह से चारित्रिक दोहरापन ही है और उमर अब्दुल्ला का यह बयान उस दोहरापन से खुद को अलग करने की कोशिश भी हो सकता है। वैसे कांग्रेस के लोगों से ऑफ द रिकॉर्ड बात कीजिए तो वे भी मानते हैं कि चाहे ईवीएम का मुद्दा हो या किसानों का आंदोलन, उनके लिए सिर्फ कवरअप के मुद्दे हैं। कवरअप यानी बचाव का मुद्दा। पार्टी के अंदरूनी सूत्र भी मानते हैं कि जिन कृषि कानूनों के विरोध में कांग्रेस राजनीति कर रही है, उन्हें उसकी ही सरकार ने तैयार किया था। ईवीएम का चलन 2004 में पूरी तरह शुरू हुआ। जिसमें कांग्रेस की अगुआई वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन यानी यूपीए को जीत मिली थी और मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बने थे। तब तो कांग्रेस को यह जीत बहुत पसंद आई थी। इसके अगले यानी 2009 के चुनाव में भी यूपीए को दूसरी बार जीत मिली। तब भी ईवीएम पर कम से कम कांग्रेस की ओर से सवाल नहीं उठा। तब लालकृष्ण आडवाणी खेमे की ओर से ईवीएम पर सवाल उठा तो उसे सिरे से खारिज कर दिया गया। इसके बाद आडवाणी के लोगों ने उसे तूल नहीं दिया। लेकिन 2014 के बाद से लगातार ईवीएम पर कांग्रेस की ओर से लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। जबकि कांग्रेस भी जानती है कि ईवीएम में दोष नहीं है, उसकी नीतियों में ही कमी है, जिसकी वजह से वोटर उसे स्वीकार नहीं कर पा रहा है। ऑफ द रिकॉर्ड अगर कांग्रेसी नेताओं से बात होती है तो वे मानते हैं कि किसान कानून और ईवीएम का विरोध दरअसल उसके लिए बचाव के मुद्दे हैं। कांग्रेस इन मुद्दों के जरिए अपनी नाकामियां छिपाती रहती है। उदाहरण के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति शेखर यादव के हालिया बयान को लेकर उनके खिलाफ कपिल सिब्बल की अगुआई में महाभियोग चलाना कुछ-कुछ वैसा ही मामला होने जा रहा है, जैसा 1986 में शाहबानो को गुजारा भत्ता देने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटने के लिए संसद से नया कानून बना दिया गया था। बहुसंख्यक सोच जबकि इसके खिलाफ थी, कुछ इसी तरह शेखर यादव के बयान को लेकर महाभियोग चलाने के फैसले से बहुसंख्यक वोट बैंक सहमत नहीं है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों को लेकर बहुसंख्यक समाज में विरोध के सुर भले ही खुले तौर पर ना उठें, लेकिन चुनावी मैदान में इसे लेकर बहुसंख्यक वोट बैंक अपना गुस्सा निकाल सकता है। फिर भी कांग्रेस अपनी हार के लिए अपने रुख को लेकर सवाल नहीं उठाएगी, अपने भीतर झांकने की कोशिश नहीं करेगी।

जानवरों के प्रति होनी चाहिए संवेदना

अनुपमा तिवाड़ी

ऐसे में अन्य जीवों के प्रति हमारे व्यवहार के बारे में अंदाजा ही लगाया जा सकता है। ऐसे दृश्य आम दिखते हैं, जिनमें कोई व्यक्ति पालतू या अन्य पशुओं के प्रति नाहक ही बेरहम बरताव करता पाया जाता है। जबकि पशु या अन्य जीव शायद ही कभी हमें कोई परेशानी देते हैं। उल्टे हम ही पशुओं के साथ जीवन शुरू करके और आज भी उनका कई स्तर पर लाभ उठा कर उनके प्रति कृतघ्न बरताव करने से नहीं हिचकते। हमारे देश के संविधान में नागरिकों के हित में ही नहीं, बल्कि संपूर्ण पर्यावरण, जिसमें जीव-जंतुओं और जल, जंगल, जमीन आदि के संरक्षण की भी बात की गई है। कुछ वर्ष पहले केरल के कोल्लम जिले में कुछ शरारती तत्वों ने एक हथिनी को पटाखे से भरा अन्नानास खिला दिया था, जिसमें विस्फोट के बाद वह जख्मी हो गई थी। दिवाली के दिनों में कुत्ते की पूंछ में पटाखे बांधकर जलाते या फिर होली पर गधे पर रंग डालकर उस पर सवारी करते कुछ लोगों को देखा जा सकता है। पत्थर मार कर बेवजह कुत्तों की टांग तोड़ देने या डंडे से उनकी पिटाई कर देने जैसी घटनाएं आए दिन सामने आती हैं और अक्सर खबरों में पढ़ने में आती हैं। जो जानवर हमें किसी प्रकार का कष्ट नहीं पहुंचाते, कितनी ही बार बेवजह हमारी दुर्भावनाओं का शिकार होते रहते हैं। कुछ हफ्ते पहले जयपुर एक विवाह समारोह के लिए घोड़ी मंगवाई गई थी। सजी-संवरी घोड़ी बड़ी अच्छी लग रही थी। उस पर भावी दुल्हन को बिठाया गया। आगे-आगे ढोल बज रहा था। थोड़ी देर के बाद घोड़ी किसी वजह से एकदम से बिगड़ी और बेहोश-सी होकर गिर पड़ी। दुल्हन भी गिर पड़ी। सबने उसे उठाया। शुक्र था कि उसे कोई चोट नहीं आई। घोड़ी के गिरने के बाद कुछ लोगों का ध्यान उसके पैर में लगी छोटी-छोटी चोटों पर गया, जिनमें से खून दिख रहा था। यह बात समझने की है कि क्या सब पशुपालक अपने पशुओं के स्वभाव और उनके शरीर की तासीर को समझते हैं? ऐसे पशुपालकों के लिए उनके पशु बस पैसा कमाने या पालने का जरिया भर होते हैं। उनके पास पशु जब तक जिंदा रहते हैं, तब तक अपने जीवित रहने की कीमत चुकाते हैं। यह बहुत ही जरूरी है कि पशुपालक अपने पशुओं के स्वास्थ्य का तो ध्यान रखें ही, साथ ही समय-समय पर उनके स्वास्थ्य की जांच भी करवाएं। यह न केवल मानवीयता के लिहाज से एक जरूरी व्यवहार है, बल्कि इसलिए भी कि जिस पशु को वे अपने जीवनयापन का जरिया बना कर उससे बेलगाम काम लेते हैं, अगर वही बीमार हो जाए, उसका खयाल न रखा जाए, उसकी जान चली जाए तो उससे क्या और कैसे कमाया जा सकता है? हम कम से कम इस नाते तो अपने पाले हुए पशुओं के प्रति संवेदनशील तो हो ही सकते हैं। हमारे देश में पशुओं के हित में 'पशु क्रूरता निवारण अधिनियम' 1960 में बनाया गया। इसके तहत मुकदमे का सामना कर रहे किसी व्यक्ति के मवेशियों को जब्त करने की अनुमति दी जा सकती है, जिसके बाद जानवरों को पशु चिकित्सालय या पशु आश्रय घर आदि में भेज दिया जाता है। अगर कोई पालक पशु क्रूरता का दोषी पाया जाता है तो वह व्यक्ति अपने पशु को खो भी सकता है। इसके अलावा उसके खिलाफ निर्धारित कानूनी कार्रवाई संभव है। भारतीय पशु कल्याण बोर्ड की स्थापना वर्ष 1962 में अधिनियम की धारा 4 के तहत की गई। इस अधिनियम में अनावश्यक क्रूरता और जानवरों का उत्पीड़न करने पर सजा का प्रावधान है। यह अधिनियम जानवरों के साथ हुई क्रूरता और हत्या के विभिन्न रूपों की चर्चा करता है। अगर जानवरों के साथ किसी भी प्रकार की क्रूरता की घटना घटित होती है, तो यह अधिनियम जानवर को राहत प्रदान करता है। इसमें जानवरों के इस्तेमाल करने से संबंधित दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इस अधिनियम के तहत प्रदर्शनी में हिस्सा लेने वाले जानवरों और उनके विरुद्ध किए जाने वाले अपराधों से संबंधित प्रावधानों को शामिल किया गया है। अधिनियम के तहत दायर मुकदमे की समयावधि तीन माह की होती है। इस अधिनियम का उद्देश्य 'अनावश्यक सजा या जानवरों के उत्पीड़न की प्रवृत्ति' को रोकना है। इन तमाम नियम कानूनों की हम हर दिन अवहेलना होते देखते हैं। इनके प्रति आमजन में एक प्रकार की उदासीनता दिखाई देती है। इससे संबंधित विभाग पशुओं के हित में बहुत कम या न के बराबर ही पशुपालकों को जागरूक करते हैं। पशु क्रूरता निवारण विभाग की भी और अधिक सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की दरकार है। विभाग और इस मुद्दे पर काम कर रही संस्थाओं के द्वारा पशुपालकों ही नहीं, बल्कि आमजन में भी उनके प्रति संवेदनशीलता पैदा करने की आवश्यकता है।

बहुसंख्यकों की बात को हिन्दुओं की आवाज बताना सुनियोजित साजिश

खैर, विवादों में घिरे जज शेखर यादव का साथ मिला है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दो टूक कह दिया है कि जज साहब ने कुछ गलत नहीं बोला। हां योगी साहब ने अपनी बात कहते हुए राजनैतिक फायदे नुकसान का भी ध्यान रखा। विश्व हिन्दू परिषद के कार्यक्रम में इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश शेखर यादव द्वारा दिया गया संबोधन जज साहब के लिये गले की फांस बन गया है। दरअसल, 8 दिसंबर को प्रयागराज में विश्व हिंदू परिषद के एक कार्यक्रम में जस्टिस यादव ने समान नागरिक संहिता का समर्थन किया था। वायरल वीडियो में उन्होंने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के कार्यान्वयन का समर्थन किया और कहा कि कानूनों को बहुसंख्यकों की प्राथमिकताओं के अनुरूप होना चाहिए। उन्होंने कहा,'ये कहने में बिल्कुल गुरेज नहीं है कि ये हिंदुस्तान है। हिंदुस्तान में रहने वाले बहुसंख्यकों के अनुसार ही देश चलेगा। यही कानून है। आप यह भी नहीं कह सकते कि हाई कोर्ट के जस्टिस होकर ऐसा बोल रहे हैं। कानून तो भइया बहुसंख्यक से ही चलता है। परिवार में भी देखिए,समाज में भी देखिए, जहां पर अधिक लोग होते हैं, जो कहते हैं उसी को माना जाता है। जज साहब के इस बयान पर सियासी हो-हल्ला हुआ यह तो समझ में आता है लेकिन बड़ी अदालत यदि ऐसे किसी बयान को हिन्दुओं से जोड़कर कोई कदम उठाये तो समझ से परे हैं। जज शेखर यादव ने गलत नहीं कहा था कि कानून बहुसंख्यकों की प्राथमिकताओं के अनुरूप होना चाहिए। यदि जज साहब गलत हैं तो फिर हमारा लोकतंत्र कैसे सही हो सकता है,यह लोकतंत्र ही है जिसके अनुसार जब देश प्रदेश से लेकर गांवों तक में चुनाव होता है तो बहुसंख्यकों के वोट हासिल करके ही सरकार बनती है, जिसमें सभी समाज और धर्म के मतदाता शामिल होते हैं।यहां तक की कोर्ट की बहु सदस्यीय बेंच जब किसी मामले पर फैसला सुनाती है तो भी यही होता है। इसको एक उदाहरण से भी समझा जा सकता है। नवंबर 2019 में अयोध्या में प्रभु श्री राम का मंदिर पर सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय बेंच ने बहुमत से फैसला सुनाया था।इसी को बहुसंख्यक कहा जायेगा। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने जज शेखर यादव को तलब कर लिया है। यह कॉलेजियम जिस न्यायाधीश के खिलाफ किसी विवादास्पद मुद्दे पर हाई कोर्ट से रिपोर्ट मांगती है तो उन्हें मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता में सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के समक्ष अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाता है। सुप्रीम कोर्ट के सूत्रों ने बताया कि जस्टिस शेखर कुमार यादव को न्यायिक नीति की सीमा पार करने के आरोपों के खिलाफ अपना पक्ष रखने का मौका मिल सकता है। खैर, विवादों में घिरे जज शेखर यादव का साथ मिला है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दो टूक कह दिया है कि जज साहब ने कुछ गलत नहीं बोला। हां योगी साहब ने अपनी बात कहते हुए राजनैतिक फायदे नुकसान का भी ध्यान रखा। इसी के सहारे योगी ने एक बार फिर हिंदुत्व यानि बहुसंख्यक समाज के मुद्दे पर कांग्रेस समेत विपक्ष को आईना दिखाया। उन्होंने हिंदू एकता, न्यायमूर्ति शेखर यादव और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ विपक्ष के रवैये पर तीखा हमला किया। सीएम ने खुले मंच से न्यायमूर्ति के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि बहुसंख्यक समाज को मजबूत करने की बात करने वालों को अब धमकी दी जा रही है। भारत की विरासत के संवर्धन की बात विपक्ष को इतनी खलती है कि वह महाभियोग ले आते हैं।

आज का राशिफल

मेष – मेष : [illegible] सुअंक-1-3-5

वृषभ – वृष : [illegible] सुअंक-2-4-6

मिथुन – मिथुन : [illegible] सुअंक-4-7-9

कर्क – कर्क : [illegible] सुअंक-2-4-5

सिंह – सिंह : मान-सम्मान में वृद्धि होगी। [illegible] सुअंक-4-5-6

कन्या – कन्या : [illegible] सुअंक-2-4-7

तुला – तुला : [illegible] सुअंक-5-6-9

वृश्चिक – वृश्चिक : [illegible] सुअंक-3-6-9

धनु – धनु : [illegible] सुअंक-3-6-7

मकर – मकर : [illegible] सुअंक-4-6-8

कुंभ – कुंभ : [illegible] सुअंक-2-6-9

मीन – मीन : [illegible] सुअंक-5-6-8

सुडोकू पहेली क्रमांक-5454

	4			1				9
	7			6		1		
1	6	3	9					8
	3					2		
	5		7		2		1	
		6					3	
6					5	8	9	2
		5		2			6	
9				8			4	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र.5453

6	9	5	4	7	3	2	1	8
7	3	4	8	2	1	5	6	9
2	8	1	6	9	5	7	3	4
8	1	2	5	3	9	4	7	6
4	6	7	2	1	8	9	5	3
3	5	9	7	6	4	8	2	1
1	7	3	9	4	2	6	8	5
9	2	8	1	5	6	3	4	7
5	4	6	3	8	7	1	9	2

वर्ग पहेली 5454

संकेत: बाएं से दाएं

1. 21 सितंबर 1964 माल्टा ने इस देश से स्वतंत्रता हासिल की (3)
4. ये भारत के उपराष्ट्रपति थे (कार्यकाल 1997-2002)(4)
7. जल से उत्पन्न वस्तु (3)
8. सोपान, सीढ़ी, [illegible] (2)
9. अभ्यास पुस्तिका को अंग्रेजी में यह कहते हैं (4)
12. [illegible] (2)
14. कारण कार्य भाव, अन्योन्य भाव, आकांक्षा, चाह (3)
16. बराबर, तुल्य (2)
17. अध्यापक, टीचर, प्रवीण व्यक्ति (3)
18. मनुज, इंसान, मनु संतति (3)
19. किस समय, किस वक्त (2)
21. यह थाईलैंड का एक पूर्व नाम है (2)
22. पहर-पहर पर घंटा बजाने का शब्द, [illegible] (3)

ऊपर से नीचे

1. पुल, सेतु (अंग्रेजी) (2)
2. दर्जी, शिल्पकार, सूचिक (3)
3. इराक का एक प्रमुख शहर है जहां सुन्नियों के चौथे खलीफा यानी शिया इस्लाम के पहले इमाम अली की मजार होने की वजह से ये इस्लाम तथा शिया इस्लाम का एक प्रमुख धार्मिक स्थल है (5)
4. किसान, खेतिहर (3)
5. [illegible] (5)
6. [illegible], वृक्ष का एक भाग, किनारा (2)
10. यह हंगरी देश के मध्य उत्तरी भाग में डैन्यूब नदी के दोनों किनारों पर स्थित है (4)
11. यह नेपाल के पूर्वोत्तर विकास क्षेत्र का एक प्रांत है (5)
13. [illegible] (5)
14. कृष्ण पक्ष की अंतिम तिथि (4)
15. चिड़ियों को फंसाने का जाल, पक्षीपाश (3)
20. [illegible] यश चोपड़ा की पहली फिल्म जिसमें राजेश खन्ना, राखी व शर्मिला थीं (3)

वर्ग पहेली 5453 का हल

परमात्मा का ध्यान आते ही मन में दिव्य आनन्द-शांति का अहसास होने लगता है-आत्मारामजी

मंदसौर, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। धर्मधाम गीता भवन में आयोजित गीता जयंती एवं नेत्र शिविर में गीता ज्ञान व्याख्यान माला के चतुर्थ दिवस मुख्य वक्ता पूज्य रामस्नेही संत श्री आत्मारामजी महाराज पुष्कर वृन्दावन ने बड़ी संख्या में उपस्थित श्रोताओं को अपने प्रवचन में कहा कि विषयों ध्यान करने पर मन अशान्त उद्विग्न हो जाता है परन्तु इसके विपरित जैसे ही हम अपना ध्यान विषयों की ओर से हटाकर परमात्मा ध्यान स्मरण करने लगाते है उसी वक्त मन एकदम शान्त होकर दिव्य आनन्द की अनुभूति करने लगता है।

विषयों का ध्यान करने से मन क्यों अशांत हो जाता है इसका कारण गीता में स्पष्ट कहा है विषयाध्यायन्ते काम: कामात् क्रोधा अभिजायते विषयों के स्मरण से काम कामना की उत्पत्ती होती है और कामना की पूर्ति नहीं होने पर क्रोध लोभ आदि दुर्गुण विकारों से मन ग्रसित होकर अशान्त हो जाता है। संसार में जितनी भी बुराईयां है इन सबका जनक अशान्त मन ही है। इसलिये हमें जैसे भी बने मन को भगवान की भक्ति में लगाने का अभ्यास करना चाहिये। भगवान की भक्ति क्या है प्रत्येक व्यक्ति प्रत्येक अवस्था में कण-कण मंर व्याप्त ईश्वर की भक्ति किस प्रकार करे, गीता के 12वें अध्याय में विस्तार से वर्णन है जिसका पठन स्वाध्याय सबको अवश्य करना चाहिये। स्वामी आत्मारामजी के संगीतमय गीता प्रवचन की विशेषता है कि वे प्रत्येक श्लोग की व्याख्या मधुर संगीत और भजनों के माध्यम से सरल भाषा में करते है। जिससे जन साधारण गीता को समझकर अनुसकरण कर सको चतुर्थ दिवस पुष्कर के युवा संत धीरजरामजी महाराज, पूज्य आत्मारामजी महाराज के 12 वर्षीय शिष्य बालसंत आनन्दरामजी महाराज इंदौर के भी गीता पर विद्वतायुक्त प्रवचन हुए। विशेष उल्लेखनीय है कि बाल संत आनन्दरामजी ने 7 वर्ष कीउम्र में ही संस्कृत में गीता के सम्पूर्ण 18 अध्याय कंठस्थ कर लिये थे। 20 दिसम्बर को बाल संत आनन्दरामजी का जन्मदिवस होने से उन्होंने अपना 12वां जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से अपने पूज्य गुरूदेव आत्मारामजी के सानिध्य में उनके मंगलमय आशीर्वाद के साथ गीता भवन में ही मनाया। मंचासीन संतों, धर्मधाम गीता भवन के परम अध्यक्ष स्वामी रामनिवासजी, पूज्य ज्योतिषज्ञ लाड़कुंवर दीदी का सम्मान विद्या उपाध्याय, पुष्पा पाटीदार, रानू विजयवर्गीय, प्रीति शर्मा, उषा चौधरी, विष्णुकुंवर मण्डलोई, प्रतिक्षा शर्मा उज्जैन, जगदीश काबरा, ओम चौधरी, डॉ. दिनेश तिवारी, चिन्मय शर्मा उज्जैन, रामद्वारा समिति सूर्यनगरी अफजलपुर आदि ने किया। डॉ. दिनेश तिवारी द्वारा गीता श्लोक प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें बड़ी संख्या में प्रतिभागी ने भाग लिया। विजेताओं को गीता ग्रंथ प्रदान कर पुरस्कृत किया। संचालन पं. अशोक त्रिपाठी ने किया एवं आभार विनोद चौबे व शेषनारायण माली ने माना।

मुख्यमंत्री ने खेल चेतना मेले का शुभारंभ किया

रतलाम, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आजादी के बाद पहली बार हमने प्रदेश में खेलों के लिए 586 करोड के बड़े बजट का प्रावधान किया है। मध्यप्रदेश एकमात्र ऐसा राज्य है जहां हॉकी के लिए सर्वाधिक एस्ट्रोटर्फ होंगे। खेल अब मात्र गतिविधि नहीं बल्कि पाठ्यक्रम का हिस्सा भी बनाए गए है। अब खेल शिक्षक भी प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर, कुलगुरु बन सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रतलाम में चैतन्य काश्यप फाउंडेशन द्वारा आयोजित किए जा रहे 25 वें खेल चेतना मेले के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने ध्वजारोहण कर औपचारिक रूप से खेल चेतना मेले के शुभारंभ की घोषणा की। कार्यक्रम में प्रदेश के सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य काश्यप, सांसद सुधीर गुप्ता, सांसद श्रीमती अनीता नागर सिंह चौहान, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लालाबाई शंभूलाल चंद्रवंशी, विधायक आलोट चिंतामणि मालवीय, विधायक रतलाम ग्रामीण मथुरालाल डामोर, महापौर प्रहलाद पटेल, जिला भाजपा अध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय, निगम अध्यक्ष श्रीमती मनीषा शर्मा, कलेक्टर राजेश बाथम, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर कैबिनेट मंत्री चैतन्य काश्यप की मांग पर रतलाम में हॉकी के लिए एस्ट्रो टर्फ निर्माण, शहर के व्यवसाय को गति देने के लिए साड़ी क्लस्टर निर्माण की घोषणा की, साथ ही महेश्वर, चंदेरी की तर्ज पर शहर में महिलाओं द्वारा साड़ी निर्माण भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने रतलाम के शासकीय डा. लक्ष्मीनारायण पांडे मेडिकल कॉलेज में सभी प्रकार के हृदय संबंधी उपचार एवं ऑपरेशंस के लिए कार्डियक ब्रांच स्थापित करने की भी घोषणा की। रतलाम में खेलों के लिए अधोसंरचना विकास एवं बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन द्वारा रतलाम में 15 करोड रुपए की लागत से एकीकृत स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स का निर्माण किया जा रहा है जिसमें जूडो-कराटे, बैडमिंटन, कुश्ती, कबड्डी इत्यादि इनडोर खेल गतिविधियां आयोजित की जा सकेंगी। 400 मी. दौड के लिए सिंथेटिक ट्रैक बन रहा है, 1200 क्षमता का पवेलियन निर्माण तथा सुविधायुक्त जिम का निर्माण भी किया जा रहा है। जिले के आलोट में खेलों के लिए भूमि आवंटित कर दी गई है। पिपलोदा, रावटी में भी आवंटित की जा रही है। जिले के प्रत्येक प्रमुख स्थान पर खेल गतिविधियों के लिए सौगात दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश देश का ऐसा पहला राज्य होगा जहां हॉकी के लिए सर्वाधिक 12 एस्ट्रो टर्फ की सुविधा होगी। रतलाम में खेल गतिविधियों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सेव, सोना, साड़ी के लिए प्रसिद्ध रतलाम अब खेलों में भी अपनी विशेष पहचान स्थापित कर रहा है। इसमें चैतन्य काश्यप फाउंडेशन द्वारा विगत 25 वर्षों र्से आयोजित किए जा रहे खेल चेतना मेले का विशेष योगदान है इस कारण रतलाम की खेल प्रतिभाएं देश प्रदेश में शहर तथा अपना नाम रोशन कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश में खेलों के विकास के लिए समग्र प्रयास किए जा रहे हैं। विगत दिनों में भोपाल में खेलो इंडिया आयोजन में प्रदेश ने अपनी विशेष छाप छोड़ी है। मुख्यमंत्री ने रतलाम में चैतन्य काश्यप फाउंडेशन द्वारा लगातार 25 वर्षों र्से आयोजित किए जा रहे खेल चेतना मेला आयोजन की विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 10 हजार खिलाड़ियों की सहभागिता तथा खिलाड़ियों के सम्मान के साथ खेल चेतना मेले ने अपना विशिष्टमहत्व स्थापित किया है। मुख्यमंत्री ने कैबिनेट मंत्री श्री चैतन्य काश्यप की भी सराहना करते हुए कहा कि श्री काश्यप प्रदेश मंत्रिमंडल के सबसे अच्छे चुनिंदा मंत्रियों में से हैं जिन्होंने अपने कार्यों, र्अपनी क्षमता से अपनी विशेष पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुराने समय से ही व्यापार, व्यवसाय के लिए प्रसिद्ध रतलाम अब खेलों में भी अपनी अलग पहचान बना रहा है।इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री चैतन्य काश्यप ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह अत्यंत गौरव की बात है कि चैतन्य काश्यप फाउंडेशन द्वारा इस वर्ष 25 वें खेल चेतना मेले का आयोजन किया जा रहा है। खेलों को दूरस्थ ग्रामों तक ले जाने तथा खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित खेल चेतना मेले में अब क्रीडा भारती भी सहभागिता कर रही है। सबके सहयोग से इस आयोजन को उंच्चाइयां मिली है। श्री काश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में जिस प्रकार प्रदेश को औद्योगिक क्षेत्र में उंच्चाइयां मिल रही है, उसी तरह खेलों में भी उंच्चाइयो के लिए प्रदेश शासन प्रतिबद्ध है।

भीम आर्मी आजाद समाज पार्टी ने गृह मंत्री अमित शाह का नारेबाजी कर पुतला दहन किया

मंदसौर, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। पूर्व में गृह मंत्री अमित शाह द्वारा भीमराव अंबेडकर के उप्पर अशोभनीय टिप्पणी को लेकर भीम आर्मीध्आजाद समाज पार्टी द्वारा नारेबाजी व विरोध प्रदर्शन कर ग्रह मंत्री अमित शाह का दो अलग अलग पुतले दहन किये गए.. भीम आर्मी के मंगलेश सूर्यवंशी द्वारा बताया गया की गृह मंत्री अमित शाह जी द्वारा जो बयान दिया गया जिसमें वो बोल रहे की अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर नाम एक फैशन हो गया हे इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग प्राप्त होता,जो गलत है बाबा साहब हमारे लिए मसीहा हे बाबा साहब द्वारा जो महिलाओं ,दलितों, आदिवासियों को संविधान में जो समानता, शिक्षा,के अधिकार दिए गए वो स्वर्ग में रहने से भी बढ़कर हे, जब भीम आर्मी के कार्यकर्ता पुतला जलाने के लिए लेकर आए तो पुलिस ने रोकने का प्रयास किया तथा वाटर केनन का इस्तेमाल भी किया पुलिस व कार्यकताओं के बीच झूमझटकी भी हुई फिर भी अलग अलग समय में दो पुतले भीम आर्मी के द्वारा जलाये गए तथा नारेबाजी भी की गई, कुछ देर बाद फिर एक पुतला कार्यकर्ता लेकर आ गए और उसको जलाने लगे जब पुलिस पुतला जलाने रोकने आई व वाटर केनन चलाया गया तो कार्यकर्ताओं ने आगे तक रोड़ पर दौड़ लगा कर पुतला जलाया, हालांकि पुतला जलाने के दौरान कुछ कार्यकता घायल भी हो गए. इस दौरान भीम आर्मी के मंगलेश सूर्यवंशी, पवन रैदास, ,गोपाल रायकुबर, गुफरान पठान, पर्वत राठौर,पारस आजाद, राकेश सूर्यबंशी, अर्जुन लाला, बालमुकुंद सूर्यवंशी, सहित भीम आर्मी आजाद समाज पार्टी सहित मेघवाल समाज विकास परिषद सहित अन्य सामाजिक कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

प्रतिभागिता हेतु पंजीयन फार्म 23 तक जमा करवाएं

मंदसौर, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन नेहरू युवा केन्द्र, खेल और युवा कल्याण विभाग, राष्ट्रीय सेवा योजना मंदसौर द्वारा 24 दिसंबर 2024 को कुशाभाउ ठाकरे सभाग्रह में प्रात: 10 बजे से आयोजित होगा, युवा उत्सव प्रतियोगिता में 15 से 29 आयु के युवा प्रतिभागिता कर पाएंगे, प्रतियोगिता हेतु प्रतिभागी मंदसौर जिले का निवासी होना अनिवार्य है, प्रतिभागिता हेतु पंजियन फार्म श्री अनिल कुमार आर्य एन.एस.एस. प्रभारी पी.जी. कालेज मंदसौर एवं खेल और युवा कल्याण विभाग, मन्दसौर में 23 दिसंबर 2024 के शाम 5:00 बजे तक जमा कर सकेंगे। तत्पश्चात् किसी भी पंजीयन फार्म को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

जिला युवा उत्सव में भाषण प्रतियोगिता , कविता लेखन, चित्रकला, विज्ञान मेला (एकल एवं समूह), मोबाइल फोटोग्राफी, लोक नृत्य (10 का समूह), कहानी लेखन, एवं समूह गायन विधाएँ रहेंगी। समूह गायन विधा से सर्वोत्कृष्ट दल का सीधा संभाग हेतु चयन किया जाएगा। इस हेतु आयोजन समिति का निर्णय अंतिम रहेगा। मोबाइल फोटोग्राफी, साइंस मेला एकल एंव समूह, सांस्कृतिक नृत्य के अलावा सभी विधाओं हेतु पंच प्रण विकसित भारत, गुलामी की मानसिकता से मुक्ति, विरासत पर गर्व, एकता और एकजुटता, नागरिकों का कर्तव्य थीम रहेगी। चित्रकला प्रतियोगिता हेतु प्रतिभागी अपनी सामग्री स्वयं लेकर आएंगे, सांस्कृतिक कार्यक्रम हेतु किसी भी प्रकार का पोशाक एवं अन्य भत्ता नहीं दिया जाएगा। भाषण प्रतियोगिता हेतु प्रथम ईनाम राशि 5000 द्वितीय 2500 तृतीय 1500 रहेगी, कविता लेखन चित्रकला एवं मोबाइल फोटोग्राफी हेतु प्रथम 2500 द्वितीय 1500 तृतीय 1000 रहेगा, साइंस मेला एकल हेतु प्रथम इनाम 3000 द्वितीय 2000 तृतीय 1500 एवं विज्ञान मेला समूह हेतु प्रथम इनाम 7000 द्वितीय 5000 तृतीय 3000 रहेगा, सामूहिक लोक नृत्य हेतु इनाम 7000 द्वितीय 5000 एवं तृतीय 3000 रहेगा, इनाम की राशि सभी विजेता प्रतिभागियों के बैंक खातों में भेजी जाएगी, कविता लेखन एवं समूह गायन हेतु नगद इनाम नहीं रहेगा। इसमें चयनित प्रतिभागी सीधा संभाग स्तर पर अपनी प्रस्तुति देंगे, जिले से विज्ञान मेला समूह के विजेता शासन निर्देश प्राप्त होने के पश्चात् ही आगे जा पाएंगे। कार्यक्रम का आयोजन नेहरू युवा केन्द्र, खेल और युवा कल्याण विभाग, राष्ट्रीय सेवा योजना जिला मंदसौर द्वारा किया जावेगा। अधिक जानकारी हेतु श्री अनिल कुमार आर्य एन.एस.एस. प्रभारी पी.जी. कालेज मंदसौर मो. 9968908440 एवं मुकेश भटेवरा मो.9981795075 जिला एथलेटिक्स कोच, मन्दसौर से सम्पर्क करें।

पूज्य सिंधी जनरल पंचायत के अध्यक्ष पद हेतु दो उम्मीदवारों ने नियोजन पत्र प्रस्तुत किये

मंदसौर, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। पूज्य सिंधी जनरल पंचायत के निर्वाचन अधिकारी पुरुषोत्तम शिवानी, सदस्य गिरधारी जजवानी (काऊ), ललित माखिजा (एडवोकेट) राजेश ज्ञानानी, सहयोगी दयाराम जैसवानी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि पंचायत के अध्यक्ष पद हेतु निर्धारित कार्यक्रम के तहत 20 दिसम्बर की शाम को दो नियोजन पत्र भगवान दास मोटवानी एवं वासुदेव सेवानी ने प्रस्तुत किये है। प्राप्त नियोजन पत्रों की जांच की गई जिसमें दोनों नियोजन पत्र वैध पाए गए, तदअनुसार भगवानदास मोटवानी एवं वासुदेव सेवानी दो उम्मीदवार है। दिनांक 21, 22 एवं 23 दिसंबर नियोजन पत्र वापसी के लिए निर्धारित है। तथा आवश्यकता होने पर 5 जनवरी 2025 को सुबह 9.30 से सायं 4 बजे तक श्री झूलेलाल सिन्धु महल मदसौर पर मतदान होगा।

कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के एडवोकेट अनीस मंसूरी जिलाध्यक्ष नियुक्त

मंदसौर, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। म.प्र. कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के मंदसौर जिलाध्यक्ष पद पर एडवोकेट अनीस मंसूरी को नियुक्त किया गया है।

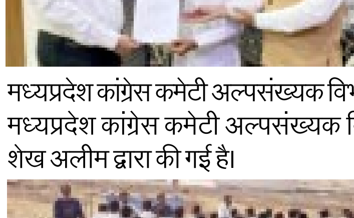

अनीस मंसूरी की यह नियुक्ति मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी की सहमति एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढी एवं मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रभारी निजामुद्दीन कुरैशी, प्रभारी मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग की सहमति से प्रदेश अध्यक्ष श्री शेख अलीम द्वारा की गई है।

जमुनिया कला में आयुष स्वास्थ्य शिविर संपन्न

नीमच, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शासन सप्ताह तहत प्रशासन गांव की ओर अभियान में आयुष विभाग नीमच की ओर से आयुष ग्राम जमुनिया कला में शनिवार को नि:शुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया।

जिला आयुष अधिकारी डॉ आशीष बोरना ने बताया कि सभी ग्रामीणों तक आयुर्वेद चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से स्वास्थ्य लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर में नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण के साथ-साथ बीपी, शुगर ,एवं हीमोग्लोबिन की निशुल्क जांच की गई। शिविर में आयुष दिनचर्या ,ऋतुचर्या की जानकारी के साथ विश्व ध्यान दिवस के उपलक्ष्य में ध्यान एवं योगाभ्यास भी कराया गया। उक्त शिविर में आमवात, संधिवात ,वात रोग, श्वास ,कास, प्रतिश्याय ,रक्ताल्पता, स्त्री रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह एवं मौसमी बीमारियों की जांच कर निशुल्क औषधियां प्रदान की गई शिविर में कुल 162 रोगियों ने स्वास्थ्य लाभ लिया। शिविर में डा बादर सिंह वास्केल, डॉ पंकज कुमार पाटीदार , डॉ विमला पाटीदार,भावना बैरागी,रितिका तिवारी,कानसिंह राणावत,शेलेंद्र पाटीदार,यतेंद्र राजावत,आनंद शर्मा, एवं श्वेता जोशी आदि आयुष स्टाफ द्वारा सेवाएं दी गई।

हाईस्कूल पानपुर में प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न

मंदसौर, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शासकीय हाईस्कूल पानपुर में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें गत सत्र कक्षा 10 वीं की छात्रा धनकुंवर पिता भगतराम द्वारा 76.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय को गौरान्वित करने पर अतिथियों द्वारा छात्रा तथा विद्यालय को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक प्रतिनिधि शिक्षा विभाग मंदसौर अध्यक्ष राजेश फरक्या, विधायक ऑफिस स्टॉफ प्रतिनिधि सुश्री प्रमीला पंवार, मुरली प्रजापत तथा पानपुर सरपंच चैनसिंह मौजूद थे। अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ववलित किया गया। अतिथियों का स्वागत प्राचार्य एसकेत्यागी एवं स्टाफ सदस्यों द्वारा किया गया। प्राचार्य एस.के. त्यागी द्वारा विधायक प्रतिनिधियों को संस्था की बाउण्ड्रीवाल एवं फर्नीचर की समस्या से अवगत कराया जिसे विधायक प्रतिनिधियों द्वारा समस्या का जल्द समाधान करने का आश्वासन दिया गया। संचालन प्राचार्य एसकेत्यागी ने किया एवं आभार नवलराम माली ने माना।

किसानों को फसल बीमा के लिये किया जा रहा है जागरूक

किसान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से जुड़कर योजना का लाभ उठाये

मंदसौर, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रभारी उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा बताया गया कि, जिले में रबी मौसम 2024-25 अंतर्गत फसलों का बीमा का प्रारंभ हो गया है। इसके क्रियान्वयन हेतु सभी तहसीलों में एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कम्पनी के प्रतिनिधियों एवं कृषि विस्तार अधिकारियों द्वारा ग्राम पंचायत स्तर पर फसल बीमा पाठशाला का आयोजन कर कृषकों को फसल बीमा के हितलाभ के बारे में जागरूक किया जा रहा है। रबी में अधिसूचित फसलों के लिये कृषक द्वारा देय प्रिमियम राशि गेंहू हेतु रूपये 810, चना हेतु रुपये 582, सरसों हेतु रूपये 376.5, मसूर हेतु रूपये 450, अलसी हेतु 385.5 रूपये प्रति हेक्टेयर है। फसल बीमा करवाने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर तक निर्धारित की गई है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अऋणी कृषक अपने संबंधित बैंक/ सहकारी समिति/ सी.एस.सी. द्वारा अथवा कृषक स्वयं भी राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल www.pmfby.gov.in पर जाकर ऑन लाईन आवेदन कर सकते है। अऋणी कृषकों को फसल बीमा करवाने के आवश्यक दस्तावेज बैंक पासबुस, फसल बुवाई प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पावती एवं बटाईदार किसान या किराये पर ली गई भूमि के लिये मालिक द्वारा शपथ पत्र दिया जाना अनिवार्य है। जिले के किसान भाईयो से अनुरोध है कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से जुड़कर योजना का लाभ उठाये।

विश्व ध्यान दिवस पर नवांकुर संस्था ने किया ध्यान सत्र का आयोजन

नाटाराम/सीतामऊ, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद के निर्देशन मे नवांकुर संस्था नाटाराम प्रगतिशील विकास समिति द्वारा कयामपुर सेक्टर क्रमांक 1 की ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों द्वारा ध्यान सत्र का आयोजन गांव-गांव मे किया गया। नाटाराम में हाई स्कुल ,माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों बच्चों के साथ आंचलिक पत्रकार संघ के जिलाअध्यक्ष तुलसीराम राठौर, ग्राम पंचायत नाटाराम के सरपंच बापुलाल जाट ,जनपद सदस्य प्रतिनिधी राजु गणपत जाट,स्वास्थ्य विभाग के सीएचओ टीना वर्मा,मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद के विकासखण्ड समन्वयक नारायणसिंह निनामा,परामर्शदाता हरिओम गंधर्व,हेमन्त गोड,प्राचार्य कवरलाल बोडाना,संतोष सांवरा,अनिता सोंलकी,कला पाटीदार,बाबुलाल बुनकर,तुलसीराम राठौर ने विशेष सहभागीता की है। हार्टफुटनेश संस्था द्वारा प्रशिक्षीत परामर्शदाताओ द्वारा ध्यान शिवीर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परामर्शदाता हरिओम गंधर्व ने कहा की ध्यान को अपने जीवन मे उतारना चाहीये। जिससे जीवन को तनाव मुक्त होकर जिया जा सकें। ध्यान से जीवन में एकाग्रता बढती है साथ ही मानसीक रूप मजबुती मिलती है। ध्यान शिवीर में आंगनवाडी कार्यकर्ता कविता सेन,आशा कार्यकर्ता कारी रत्नावत,टम्मा माली,पष्पा सेन,शिक्षक भरत भावसार,रश्मि,मध्यप्रदेश डे राज्य ग्रामीण आजीवीका मिशन के धारणा गंधर्व,मुख्यमंत्री सामुदायीक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के विद्यार्थी लक्ष्मीनारायण माली,गोपाल सेन,रेखा सेन,श्यामुबाई सेन सहित जनप्रतिनिधी ग्रामीणजन एवं महिलाएं उपस्थीत थी।

विश्व ध्यान दिवस के उपलक्ष्य में ध्यान कार्यक्रम सम्पन्न

मंदसौर, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड मन्दसौर, जिला जिला समन्वयक तृप्ति बैरागी के निर्देशन में सेक्टर डिगांवमाली नवांकुर संस्था प्रियदर्शन सामाजिक सेवा संस्था के दिनेश सोंलकी नें पिपलिया कराड़िया हाई सेकेंडरी स्कूल परिसर में ध्यान दिवस का आयोजन किया गया। ध्यान शारिरिक, मानसिक, भावात्मक एवं आध्यात्मिक तरीके से स्वास्थ्य को बेहतर करने में सहयोग करता है। ध्यान से हमे आत्मशांति एवं सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। ध्यान योग कार्यक्रम में स्कूल के शिक्षक सुदीर शर्मा, सुरेश कोशिक व छात्र छात्राओं ने भाग लिया।

विश्व ध्यान दिवस का आयोजन सम्पन्न

मंदसौर, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शासकीय कन्या महाविद्यालय, मंदसौर के प्राचार्य डा.सुधीर रायजादा ने बताया कि महाविद्यालय में विश्व ध्यान दिवस का आयोजन किया गया। क्रीडा अधिकारी श्री मनीष पांचाल के निर्देशन में ध्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। सर्वप्रथम छात्राओं यूटयूब के माध्यम से ध्यान से संबंधित वीडियो दिखाया गया जिसमें ध्यान के महत्व और उपयोगिता के बारे में जानकारी दी गई तत्पश्चात् महाविद्यालय प्रांगण में छात्राओं और स्टाफ सदस्यों द्वारा ध्यान किया गया। वरिष्ठप्राध्यापकडा.पी.एल.पाटीदार ने ध्यान से होने वाले फायदे जैसे मानसिक शांति, स्वास्थ्य, बल, विवेक, ऊर्जा आदि पर विस्तार से प्रकाश डाला। श्री कांतिलाल कुमावत द्वारा आनलाईन छात्राओं से पंजीयन फार्म भरवाया गया। उक्त कार्यक्रम का संचालन डा.राजश्री ठाकुर एनएसएस प्रभारी द्वारा किया गया एवं आभार डा.आरिफ हुसैन पठान ने माना। इस अवसर पर 50 से अधिक छात्रायें एवं महाविद्यालयीन स्टाफ उपस्थित रहा।

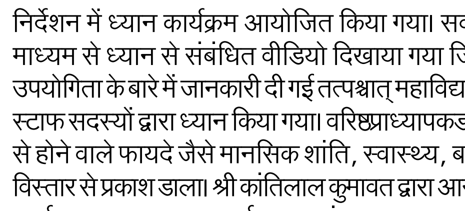

विश्व ध्यान दिवस पर सहजयोग शिविर सम्पन्न

मंदसौर, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। विश्व योग दिवस पर शासकीय कन्या उ.मा.वि. बालागंज, मंदसौर में सहजयोग शिविर का आयोजन किया गया जिसमें सहजयोग केंद्र के सोनाली दख द्वारा विद्यार्थियों को संपूर्ण सहजयोग प्रक्रिया समझाया कराया। प्राचार्य सुदीप दास ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस के रूप में मान्यता दी है। प्राचार्य सुदीप दास ने कहा कि आज की भाग दौड़, प्रतिस्पर्धी एवं तनाव ग्रस्त दुनिया मेंळूषीषर्शिश्र कुछ समय के नियमित ध्यान से तनाव नियंत्रण, भावनात्मक संतुलन, वर्क लाइफ बैलेंस, मानसिक स्पष्टता, आंतरिक शांति, एकाग्रता, बेहतर प्रतिरक्षा प्रणाली, आत्मा विकास एवं आत्म जागरूकता में सकारात्मक परिणाम प्राप्त होते हैं। विद्यार्थी परीक्षा की तैयारी के समय कुछ समय यदि मेडिटेशन करेंगे तो निश्चित ही एकाग्रता बढ़ेगी एवं वे अच्छे अंक प्राप्त करेंगे। कार्यक्रम में सहज योग केंद्र से रीना पोरवाल, सनत जोशी, अमित पोरवाल, विजय सोमानी, संतोष तंवर एवं विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित था।

राम नाम स्मरण मात्र से पाप नष्टहो जाते हैं-पंकज कृष्ण

नीमच, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। राम नाम की भक्ति शिव शंकर को भी पसंद थी वह भी राम का ही स्मरण करते थे। राम नाम स्मरण मात्र से अंतरंग पाप दोष नष्टहो जाते हैं।राम नाम जपने से संसार के पापों से मुक्ति मिल जाती है। राम नाम का प्याला अमृत का प्याला होता है। राम नाम की भक्ति का रस जीवन में एक बार चढ़ता है जो जीवन के कल्याण के बाद ही उतारता है।यह बात प. पंकज कृष्ण महाराज ने कही।वे जय जिनेंद्र रिसोर्ट के पीछे आप और हम प्रेमी जनमंडल नीमच के तत्वावधान में गणपति नगर क्षेत्र स्थित सिध्दीविनायक मंदिर परिसर में आयोजित शिव पुराण कथा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रभु की भक्ति ऐसी करनी चाहिए जो कभी जीवन में अलग नहीं हो जीवन में जुड़ जाए। मातृशक्ति नारी को मर्यादा और अनुशासन में ही जीवन जीना चाहिए यही उसका गहना होता है। सत्संग में ज्ञान की परीक्षा होती है। महादेव की भक्ति करने से संसार के सभी सुख स्वत: ही मिल जाते हैं। महाराज श्री ने शिव पुराण के मध्य दक्ष प्रजापति, 16 कन्या ,धर्म अग्नि, प्रति शैलपुत्री शिव पार्वती हिमगिरी,सती विवाह शंकर भगवान 60 कन्या, बद्रीका आश्रम ,विश्वकर्मा गुफा निर्माण, लक्ष्मी हट, चंद्रमा विवाह, शिव विवाह कुंभद, त्रेता युग, ज्ञान भक्ति, वैराग्य, दंडकारण्य में सीता माता, सहित विभिन्न प्रसंगों का वर्तमान परिपेक्ष में महत्व प्रतिपादित किया। शिव पुराण पोती पूजन आरती में अवतार पंवार, मुकेश माली, नाना लाल धाकड़ भैया, शंभूलाल तंवर, चंद्रप्रकाश सांखला, साधना शिंदे, राधाबाई पंवार टाटा भुआ सीताबाई नामदेव हेमा कच्छारा हेमलता, सहित अनेक श्रद्धालु भक्त एवं समाज जन उपस्थित थे। आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया।

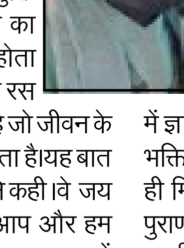

शिव बारात में उमड़े श्रद्धालु- शिव पुराण के मध्य शिव बारात शिव पुराण भक्ति पांडाल पर पहुंची शिव बारात में भूत पिशाच उपस्थित थे। बारातियों का श्रद्धालु भक्तों द्वारा पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया। भक्तों ने नृत्य किया। शिव बारात में शिव का अभिनय श्वेता कुंवर, पार्वती सुहानी राठौड, भूत पिशाच कृष्ण पंवार, लक्षित लक्ष्यकार, गर्वित सिंह पंवार लक्की सहित अनेक बच्चे सहभागी बने।

गणपति जन्म आज- शिवपुराण कथा में आज पंकज कृष्ण महाराज श्री द्वारा आज कार्तिक व गणपति जन्म के प्रसंग पर विस्तार से प्रकाश डाला जाएगा।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	31	2270	2451
उडद	8	5250	6480
सोयाबीन	2101	3800	4320
गैहु	1308	2800	3200
चना	61	5510	6460
मसुर	47	5581	6200
धनिया	285	5900	7528
लहसुन	8500	11000	27700
मैथी	200	4501	5811
मुंगफली	2500	4100	5320
अलसी	707	5320	6021
सरसो	193	4701	5621
तारामीरा	1	4390	4390
इसबगोल	40	9500	12600
प्याज	12000	350	1750
कलोंजी	2	14800	14800
तुलसी बीज	2	14981	17000
डॉलर	19	8701	11300
तिल्ली	38	8000	12170
जौ	17	2520	2700
मटरसुखी	0000	00000	00000
असालीया	4	9501	13171
चियाबीज	20	12000	14800

आखिर कब मिलेगी घोड़ारोज और जंगली सुअरों से मुक्ति

विभाग के अनुसार पिछले 10 वर्षों में केवल 12 दुर्घटनाए, फसल हानि के 9 प्रकरण, मृत्यु केवल पांच की, जिले में 23874 घोड़ारोज और 5102 जंगली सुअरों की संख्या

मंदसौर, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा सत्र के शीतकालीन सत्र के दौरान अंतिम दिन मंदसौर विधायक विपिन जैन द्वारा किसानो की महत्वपूर्ण समस्या घोड़ारोज़ और जंगली सुअरों के कारण फसलों को हो रहे नुकसान के संबंध में तारांकित प्रश्न किया गया तो वन विभाग के द्वारा जो आंकड़े दिए गए हैं वह इस बात का सबूत है कि विभाग घोड़ारोज़ और जंगली सूअरो से निदान के लिए कितना गंभीर है विभाग के अनुसार वर्ष 2014 से वर्ष 2024 तक केवल 12 लोग दुर्घटना में घायल हुए हैं और केवल पांच लोगों की मृत्यु हुई है और किसानो की फसले चौपट होने के केवल 9 ही प्रकरण प्राप्त हुए हैं जबकि व्यावहारिक तौर पर अगर देखा जाए तो आए दिन घोड़ा रोज़ के कारण सैकड़ो दुर्घटनाएं हो रही है और मृत्यु के प्रकरण भी ज्यादा है वहीं बीते 4 वर्षों में मंदसौर जिले के किसानों और आमजन द्वारा 58 से अधिक सीएम हेल्पलाइन शिकायती की गई परंतु उन्हें सिर्फ आश्वासन देकर शिकायत वापस लेने को मजबूर कर दिया गया है समूचा किसान वर्ग बीते कई वर्षों से घोड़ारोज़ और जंगली सुअरों के आतंक से परेशान है किस तरह यह फसले चौपट कर रहे हैं और कितनी संख्या में इनके कारण दुर्घटनाएं हो रही है यह आम बात है परंतु विभाग के पास उनके नुकसान और दुर्घटनाओं से संबंधित नाम मात्र की जानकारी है वहीं विभाग द्वारा बताया गया है कि निर्धारित प्रारूप में मुआवजा की प्रक्रिया यदि की जाए तो सहायता राशि दी जाती है परंतु कठिन प्रक्रिया के कारण किसान वर्ग और दुर्घटनाओं से गंभीर नागरिकों के लिए मुआवजा राशि प्राप्त करना असंभव है वहीं वन विभाग द्वारा बताया गया है कि वन सुविधा एप विभाग द्वारा निर्मित किया गया है जिससे दुर्घटना राहत भुगतान की प्रक्रिया संपन्न की जाती है।

दो पक्षों में मारपीट, 4 पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने मारपीट के मामले में दोनों पक्षों पर केस दर्ज किया। गांव जलोदिया में खेत नही बोने देने व रुपए मांगने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों पर केस दर्ज किया। वहीं दूसरे मामले में अफीम की फसल पर दिवाई छिड़काव करने वाले आरोपी ने किसान के साथ मारपीट की। जानकारी के अनुसार जलोदिया निवासी अरुण बैरागी ने पिपलिया चौकी पर शिकायत दर्ज कराई कि गांव के प्रहलाद पोकरा, सत्येन्द्र कारपेंटर व पंकज पोकरा मुझे खेत नही बोने दे रहे है व बोल रहे है कि खेत बोना है तो हफ्ता वसूली देना पड़ेगी। मैंने रुपए देने से मना किया तो तीनों ने गाली-गलौज कर मेरे साथ मारपीट की। जिससे आंख, गर्दन व सिर पर चोंट आई। पुलिस ने तीनों आरोपियों पर केस दर्ज किया। इसी तहर प्रहलाद पिता सुखार ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि गुड़भेली यात्री प्रतीक्षालय के पास अरुणदास पिता मुरलीदास बैरागी ने मुझे आवाज देकर रोका और बोला कि तू मेरा गांव में नाम बदनाम कर रहा है। अरुणदास बोला कि तेरे अफीम की फसल में मैंने ही खरपतवार की दवाई छिड़की है। इसके बाद अरुणदास ने गाली-गलौज कर मेरे साथ मारपीट की। जिससे गाल, पीठ पर चोंट आई। पुलिस ने अरुणदास पर केस दर्ज किया।

कुशाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम में विश्व ध्यान दिवस सम्पन्न

मंदसौर, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। 21 दिसंबर को कुशाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम में वर्ल्ड मेडिटेशन डे (विश्व ध्यान दिवस) का आयोजन हार्टफुलनेस संस्था की ओर से किया गया जिसमें सभी विभागों के प्रमुख और उनके कर्मचारियों को ध्यान कराया गया।

उल्लेखनीय है कि इस बार संयुक्त राष्ट्र ने 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस घोषित किया था। उसी के परिपेक्ष में यह ध्यान पूरे विश्व में, संपूर्ण भारत में एवं मध्य प्रदेश शासन के साथ मिलकर सारे विभागों को, हार्टफुलनेस एवं भारतीय योग संघ द्वारा कराया गया। जिसके माध्यम से सभी लोगों ने ध्यान कैसे किया जाए, आदर्श ध्यान कैसा हो, और उसके लाभ को आप कैसे अर्जित कर सकते हैं, ताकि किसी भी विभाग में, किसी भी पद पर आप कार्यरत हो तनाव मुक्त और खुश रहकर अपनी कार्यशैली को बेहतर कर सके और अपना बेहतर योगदान समाज को उन्नत करने में दे सकें। सामाजिक, मानसिक, व्यक्तिगत, शारीरिक विकास को अपनाते हुए और यह सब तभी संभव है जब ध्यान के माध्यम से आप अपना आंतरिक विकास भी ध्यान के माध्यम से सुनिश्चित कर सकें। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनंद, एडिशनल कलेक्टर श्री एकता जायसवाल, एडिशनल मजिस्ट्रेट श्री शिवलाल शाक्य, एडिशनल एसपी गौतम सिंह सोलंकी मौजूद रहे। जिन्होंने ध्यान के बारे में अपना अनुभव और मार्गदर्शन सबको दिया। हार्टफुलनेस की तरफ से यह ध्यान मंदसौर से प्रशिक्षक श्री दीपेंद्र सोनी ने रिलैक्सेशन, और ध्यान करवाया। ध्यान के बारे में और उनके फायदे के बारे में तथ्यात्मक रूप से प्रेजेंटेशन, डॉ. नीलेश नगायच ने प्रस्तुत किया और हार्टफुलनेस की ज्ञान को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से बेहतर तरीके से लोगों के बीच पहुंचाया। श्री खिंचावत ने सभी लोगों का आभार व्यक्त किया कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी लोगों का योगदान रहा मुख्यत: मंदसौर पुलिस विभाग के आरआई श्री कृष्ण प्रताप तोमर, कुशाभाऊठाकरे ऑडिटोरियम से मैडम रक्षा ने विशेष सहयोग किया। यह मंदसौर वासियों के लिए हार्टफुलनेस की तरफ से कभी भी, किसी भी वक्त, निशुल्क ध्यान कर सकते हैं और हमें ज्वाइन कर सकते हैं। और आप अपने जीवन में एक नई ऊर्जा, धनात्मकता, तनाव मुक्त होकर आगे बढ़ सकेंगे। हार्टफुलनेस टीम की ओर से वॉलिंटियर विशाल शर्मा राजनारायण भटनागर अवधेश दीक्षित सुरेश पामेचा हरीश खिचावत, डॉ यश त्यागी रहे।

मनासा विधानसभा के लिए विकास की बड़ी सौगात

मनासा, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। विधायक श्री अनिरुद्ध माधव मारू के प्रयासों से मनासा विधानसभा क्षेत्र में अनुपूरक बजट में करीब 50 करोड़ रु की दो महत्वपूर्ण सड़कों को स्वीकृति मिली। कुकडेश्वर बायपास रोड: लंबाई: करीब 10 किलोमीटर लागत: 1750 लाख 2 आंतरी माता. भादवा माता सड़क: लंबाई: करीब 32 किलोमीटर लागत: 31.50 लाख की राशी अनुपूरक बजट में स्वीकृत होने पर जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती निर्मला भूरिया, लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, और यशस्वी मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव जी का आभार विधायक श्री मारू ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए क्षेत्रवासियों को बधाई, शुभकामनाएं दी और कहा कि यह सड़के क्षेत्र के विकास और सुगम यातायात के लिए मील का पत्थर साबित होंगी।

प्राथमिक कक्षाओं की मातृगोष्ठी सम्पन्न

मंदसौर, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सरस्वती शिशु मंदिर केशव नगर, मंदसौर में कक्षा प्रथम से चतुर्थ तक की मातृगोष्ठी संपन्न हुई। मातृगोष्ठी में जिन महानुभाव का सानिध्य प्राप्त हुआ है ऐसे सर्वप्रथम कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ रविंद्र कुमार जी सोहोनी (विद्यालय संचालन समिति प्रो. राजेंद्रसिंह शिक्षण समिति के अध्यक्ष, श्री मिलिन जी व्यास (समिति के व्यवस्थापक), अध्यक्षता श्रीमती हिना खेतरा (गोष्ठी मे उपस्थित माताओं में से चयनित भाग्यशाली माता) राजपालसिंह जी सिसोदिया (विद्यालय के प्रधानाचार्य) उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में 131 माता ने सहभागिता की, कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण शिशु वाटिका की नन्ही बहिनों द्वारा नृत्य किया गया, माताओं के लिए गतिविधि का आयोजन किया गया इसमें माता को माचिस की तीलियों से आकृति, चेयर रेस, ब्लास्ट इन द सिटी गतिविधियाँ आयोजित की गई, सभी माताओं ने उत्साह से भाग लिया। मुख्य अतिथि ने उद्बोधन में कहा कि परिवार और बच्चों की शिक्षा पर चर्चा कर बताया की भैया बहिनों का सर्वांगीण विकास होना बहुत आवश्यक है, जिसमे उसके मन, मानसिक एव शारीरिक विकास होना चाहिए। साथ ही उसको बचपन से ही अपनी वस्तु कॉपी, पेन, कपडे आदि नियत स्थान पर रखने का ज्ञान एक माता ही करा सकती है, जो उसको जीवन में अभूत आवश्यक है, संस्कार ओर संस्कृति, सुवर्ण प्राशन ओषधि, भैया/बहिनों की प्रगति, अभ्यास होमवर्क, सीखने की आदत के सुधार के सुझाव, भैया /बहिन का व्यव्हार और अनुशासन, माता पिता की भागीदारी, तकनीकी शिक्षण और नई विधियां, विद्यालय की भविष्य की योजना आदि विषयों पर मार्गदर्शन किया। एवं माताओं ने अपने वचार अनुभव कथन के माध्यम से व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रुपाली देशमुख दीदी ने किया व अतिथि परिचय श्रीमती भावना बलवानी एवं स्वागत श्रीमती संगीता रत्नावत व श्रीमती श्वेता पंड्या ने किया व आभार श्रीमती पूजा शर्मा दीदी ने व्यक्त किया।

स्नातक में जो विषय नहीं पढ़ा...

स्नातकोत्तर में उसे भी पढ़ पाएंगे, बस देनी होगी एंट्रेंस एग्जाम

उज्जैन, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत सभी विश्वविद्यालयों में अगले साल से चार वर्षीय यूजी पाठ्यक्रम के साथ एक साल का स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू किया जाएगा। इसके तहत विद्यार्थियों को पीजी के लिए कुछ खास सुविधाएं दी गई हैं। अब विद्यार्थी अपनी पसंद के विषय पर स्नातकोत्तर में प्रवेश ले सकते हैं। विद्यार्थी अब स्नातकोत्तर में आसानी से एक से दूसरे संकाय में जा सकेंगे। महत्वपूर्ण बात यह है कि ऐसे विषय जो विद्यार्थियों ने स्नातक में नहीं भी पढ़े हैं, उनमें भी स्नातकोत्तर कर सकेंगे।

स्नातकोत्तर में प्रवेश के लिए देना होगा टेस्ट– नए विषय के लिए विद्यार्थी को पीजी में प्रवेश के लिए टेस्ट को क्लियर करना होगा। यूजीसी ने नए फ्रेमवर्क को मंजूरी दे दी गई है। यह नई व्यवस्था मध्य प्रदेश में अगले शिक्षण सत्र से लागू की जाएगी।

अनिवार्य नहीं रहेगा मेजर विषय– अधिकारियों का कहना है कि नए स्नातकोत्तर (पीजी) करिकुलम फ्रेमवर्क में विद्यार्थियों को एक संकाय से दूसरे संकाय के विषय को बदलने की सुविधा दी गई है। विद्यार्थियों ने यूजी में मेजर या माइनर जो भी विषय पढ़े होंगे, उनमें से किसी भी संकाय के विषय को लेकर विद्यार्थी पीजी पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकता है। अभी तक पीजी के लिए मेजर विषय का होना जरूरी था। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में अगर किसी विद्यार्थी ने यूजी में इकोनामिक्स आनर्स के साथ पालिटिकल साइंस, हिस्ट्री जैसे मेजर सब्जेक्ट लिए हैं और दूसरे माइनर विषय चुने हैं, तो इनमें से किसी भी विषय में वह मास्टर की डिग्री ले सकेंगे। इस तरह से उसके बाद बहुत सारे विषयों में पीजी कोर्स करने के विकल्प होंगे।

इनका कहना– विश्वविद्यालय में पीजी कोर्स में भी सीयूईटी के माध्यम से ही प्रवेश दिए जाएंगे। चार वर्षीय यूजी और एक वर्षीय पीजी कोर्स की तैयारी भी की जा रही है। यूजीसी की गाइड लाइन के अनुसार फ्रेमवर्क तैयार किया जा रहा है।

धीरेंद्र शुक्ला, विशेष कर्त्तव्यस्थ अधिकारी, उच्च शिक्षा विभाग मप्र

आरएसएस की पर्यावरण संरक्षण गतिविधि अंतर्गत डिस्पोजल मुक्त महाकुंभ के लिए...

मंदसौर से 3011 थालियां और इतने ही थैले भेजे गए

मंदसौर, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। महाकुंभ को डिस्पोज़ल, प्लास्टिक से मुक्त रखने के लिए राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की पर्यावरण संरक्षण गतिविधि द्वारा देशव्यापी अभियान चलाया जा रहा है। जिसका उद्देश्य जन जन में कुंभ के तहत प्रचार माध्यमों से जन जागरण करना। घर घर में कुंभ के तहत घर घर से थैला थाली कुंभ के लिए दान संग्रह करना। कुंभ में कुंभ के तहत कुंभ स्थल को स्वच्छ, पवित्र बनाने के लिए उपक्रम करना। इन्हीं उद्देशों के चलते देश भर में हिंदू समाज के सहयोग से थालियां और कपड़े के थैले प्रयागराज महा कुंभ में भेजे जा रहे है। जो कुंभ लाभ लेने आने वाले भक्तों को बांटे जाएंगे। ताकि कुंभ में प्लास्टिक आदि से गंदगी और प्रदूषण ना फैले। इसी कड़ी में आज पशुपतिनाथ की नगरी मंदसौर ने भी इस अभियान में अपना योगदान दिया। और मंदसौर से 3011 थालियां और इतने ही कपड़े के थैले प्रयागराज महाकुंभ हेतु भेजे गए है। इससे पूर्व उक्त सामग्री का पूजन प्रसिद्ध भागवतचार्य पंडित मिथिलेश नागर, पंडित विष्णुप्रसाद शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संघचालक अधिवक्ता दशरथसिंह झाला, जीवन गोसर एडवोकेट देवेंद्र मरच्या, भगवतीलाल शर्मा, अनिल अटवाल, प्रतीक पलोड़, पत्रकार उमेश नेक्स, शंभुसेन राठौड़, गोपाल गुप्ता, शुभम् कुमावत आदि उपस्थित थे।

महाविद्यालय में विश्व ध्यान दिवस मनाया

पिपलियामंडी, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शासकीय महाविद्यालय पिपलिया में विश्व ध्यान दिवस मनाया, ध्यान सत्र में विद्यार्थियों को ध्यान क्रिया का अभ्यास कराया और उत्तम स्वास्थ्य के लिए ध्यान व योगाभ्यास का महत्व बताया गया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए सुश्री गायत्री विश्वकर्मा ने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य का शारीरिक स्वास्थ्य से क्या संबंध होता है, इसके बारे में बताया और कहा कि सभी विद्यार्थियों को निरंतर अपने जीवन में ध्यान को अपनाया जाना चाहिए। उक्त कार्यक्रम में ध्यान योग प्रशिक्षक के रूप में कन्हैयालाल लोहार ने विभिन्न ध्यान क्रियाओं का अभ्यास करवाया और उन्होंने बताया कि ध्यान का वास्तविक अर्थ आत्मा का परमात्मा से जोड़ने की प्रक्रिया है।

ध्यान दिवस का आयोजन– नवांकुर संस्था जीत बॉडी केयर ने अंतरराष्ट्रीय ध्यान दिवस का आयोजन किया। संस्था अध्यक्ष इंद्रजीत भट्ट ने बताया मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद योजना अंतर्गत नवांकुर संस्था जीत बॉडी केयर हेल्थ प्रशिक्षण सामाजिक सेवा समिति ने प्रस्फुटन ग्राम के सामाजिक कार्यकर्ताओं, छात्र, छात्राओं को सामूहिक ध्यान कराया। योग शिक्षक इंद्रजीत भट्ट ने ध्यान के महत्व को बताते हुए कहा नियमित रूप से प्रात: काल, सायंकाल ध्यान करने से मन की, आत्मा की शक्ति जागृत होती है। एकाग्रता में वृद्धि होती हैं, साथ ही चिंता, तनाव से मुक्ति मिलती है, स्वस्थ मन से ही स्वस्थ शरीर का संचालन होता है। इसलिए 24 घंटे में से स्वयं के लिए एक घंटा योग, व्यायाम के साथ ध्यान अवश्य करे।

बिना कर्म किये फल की प्राप्ति संभव नहीं–पं. दशरथभाईजी

मंदसौर, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। स्थानीय संजय गांधी उद्यान में श्री सुयश रामायण मंडल के तत्वावधान में आयोजित हो रही संगीतमय श्रीराम कथा में कथा प्रवक्ता पं. दशरथभाईजी ने शनिवार को श्रीराम और सीता विवाह का प्रसंग सुनाया। कथा स्थल पर राम विवाह की सजीव झांकी भी सजाई गई जो श्रद्धालुओं का मन मोह रही थी।

कथा वाचक पं. दशरथभाईजी ने कहा कि धर्म की रक्षा के लिये भगवान विष्णु ने राम अवतार लेकर रावण का अंत किया और संसार में धर्म और सत्य की स्थापना की। उन्होंने कहा कि अगर हम बिना कर्म करे फल की प्राप्ति चाहेंगे तो वह कभी नहीं मिलेगा। कर्म तो हमें करना ही होगा। पं. दशरथभाईजी ने बताया कि जब भगवान राम ने जनकपुरी की प्रतिज्ञा अनुसार भगवान शिव के धनुष को तोड़ दिया तब सीता ने राम के गले में वरमाला डाल दी। राजा जनक ने अयोध्यापुरी राजा दशरथ को बरात लेकर आने का निमंत्रण दिया गया। तब राजा दशरथ बारात लेकर जनकपुरी आए जहां पर राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न चारों पुत्रों का विवाह संपन्न कराया जाता है। कथा में भगवान राम और सीता जी की सुंदर झांकी सजाई गई। जहां पर कथा आयोजन करता एवं ग्राम वासियों द्वारा भगवान राम जानकी के पैर पखारे और मंगल गीत गाए गए। भजनों की धुन पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने जमकर बधाई नृत्य किया। कथा में पौथी पूजन मुख्य यजमान पूर्व पार्षद सुरेश माया भावसार परिवार ने किया। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक दशरथ झाला, विश्व हिन्दू परिषद के प्रकाश पालीवाल, रूपनारायण मोदी, गोविन्द नागदा, डॉ. प्रवीण मण्डलोई, विरेन्द्र आर्य, निरंजन भारद्वाज, दीवाक माता समिति सदस्य, बालाजी ग्रुप के जिलाध्यक्ष मंगल बैरागी, उत्कृष्ट विद्यालय प्राचार्य विनिता प्रधान, अजय प्रधान, पूर्व तहसीलदार रूपनारायण जोशी, पंछी बचाओ आंदोलन के संस्थापक राकेश भाटी, प्रदेश प्रवक्ता दिनेश जोशी, शंकुंतला जोशी, गोपाल राव, कुसुम पोरवाल, श्री श्यामसखा मित्र मण्डल के सत्यप्रकाश गर्ग, मुकेश सेठिया, विवेक खाबिया, प्रीतम जैन, निरंजन क्षोत्रीय, कल्पना क्षोत्रीय, त्रिलोचन तिवारी चित्तौड़, कृति तिवारी चित्तौड़, कृष्ण कुमार अठाना, राम प्रहलाद पाटीदार बूढ़ा, सूरज पटवारी, बापूलाल भाटी मल्हारगढ़, सुनील सप्रे, सत्यनारायण, मनोहरलाल, हर्किया खाल वाले गुरूजी लक्ष्मी नारायणजी, छगनलालजी, शोभालाल रठाना सहित बड़ी संख्या में धर्मालुजन उपस्थित थे।

पर्याप्त विद्युत व्यवस्था के दिये निर्देश

मंदसौर, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शासकीय विद्यालयों की कक्षाओं में विद्युत व्यवस्था के संबंध में मिलने वाली शिकायतों को देखते हुए लोक शिक्षण संचालनालय ने जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिये है। निर्देशों मे कहा गया है कि सर्दी में ठंडी हवा से बचाव के लिये खिड़कियों को बंद करने पर कक्षाओं में पर्याप्त प्रकाश की आवश्यकता बढ जाती है। प्रकाश के अभाव में विद्यार्थियों को पढ़ाई के दौरान दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसमें सुधार के लिये कक्षाओं में आवश्यक प्रकाश की व्यवस्था की जायें।

प्रत्येक कक्षा में कम से कम 4 एलईडी ट्यूबलाईट की व्यवस्था की जाएं। प्रकाश व्यवस्था के लिये 7 हजार 125 हाई और हायर सेकण्डरी स्कूलों में प्रति विद्यालय के मान से 20 हजार रूपये की राशि सभी विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों को उपलब्ध कराई गई है। शाला प्रभारियों को प्रकाश व्यवस्था के साथ बिजली के स्विच बोर्ड और आंतरिक विद्युतीकरण व्यवस्था अन्तर्गत तार की मरम्मत के लिये भी कहा गया है।

पिस्टल व तलवार के साथ...

पेज 1 से जारी

मार्ग पर गांव सेमली में दविश दी। पुलिस ने यहां काचरिया चन्द्रावत निवासी नानालाल उर्फ नानकिया पिता घीसालाल बावरी व सेमली निवासी जीवन पिता शोभाराम बावरी को पकड़ा। जीवन के घर पर दविश दी जहां एक तलवार व पिस्टल बरामद हुई। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने पिस्टल अम्बाव निवासी पंकज से लेना बताया है, जिसके खिलाफ भी पुलिस ने केस दर्ज किया है, पंकज फरार है। पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जिन्हें कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेजने के आदेश दिए।

भागवत कथा का आयोजन आज से

मनासा, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मंदिरों की नगरी के भक्तों को नानीबाई का मायरा कथा के लाभ के बाद आज 22 दिसंबर रविवार से 28 दिसंबर तक भागवत कथा के श्रवण का लाभ मिलेगा ख्यात नाम कथा वाचक डॉ .देवेंद्र शास्त्री धारियाखेड़ी व्यास पीठ पर विराजित होकर भागवत कथा का अमृतपान कराएंगे। कल शनिवार को आचार्य जी का नगर आगमन पर कथा के आयोजक प्रहलाद बसेर परिवार के नेतृत्व विशाल वाहन रैली नगर में निकालते हुवे भव्य स्वागत किया गया। भागवत कथा के शुभारंभ अवसर पर आज रविवार को नगर में द्वारकाधीश मंदिर से भागवत पोथी की भव्य शोभा यात्रा में बैंड बाजे, ढोल ताशे, कलश यात्रा निकली जावेगी शोभा यात्रा में आचार्य देवेंद्र शास्त्री का नगरवासियों का अभिवादन स्वीकार करेंगे। शोभायात्रा को लेकर नगरवासियों में उत्साह का वातावरण हे जगह जगह शोभा यात्रा के भव्य स्वागत के स्वागत की तैयारिया की गई हे। शोभा यात्रा प्रमुख मार्गो से होती हुई कथा स्थल द्वारकापुरी धर्मशाला पहुंचेगी। जहा व्यास पीठ पर आचार्य देवेंद्र शास्त्री श्री मद भागवत कथा का श्रवण कराएंगे। दीपक व पंकज बसेर ने कथा के सातों दिवस के कार्यक्रम की जानकारी देते हुवे बताया की आज रविवार को द्वारकाधीश मंदिर से भव्य कलश व शोभायात्रा निकलेगी। आचार्य डॉ .देवेंद्र शास्त्री द्वारा भागवत कथा में अपने मुखारविंद से भागवत कथा माहात्म्य, 24 अवतार, व्यास नारद संवाद, ध्रुव चरित्र, अजामिल एवं प्रहलाद कथा, गजेन्द्र मोक्ष, समुद्र मंथन, वामन अवतार, रामजन्म, नंदोत्सव कथा श्रवण, भगवान श्री कृष्ण की बाल व गोर्वधन लीला, महारास, मथुरा गमन, रूक्मणी विवाह, सुदामा चरित्र एवं भागवत सार के साथ कथा में भगवान के विभिन्न प्रसंगों का चित्रण का अमृत पान कराएंगे। साथ ही कथा के दौरान भगवान की सजीव झांकियों का चित्रण भी किया जाएगा।

कार्यालय अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मंदसौर (मप्र)

क्रमांक/ मंदसौर दिनांक

विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वाहन स्वामी श्री सुखलाल गायरी पिता गोबाजी गायरी निवासी ग्राम कांचरिया चंद्रावत तह. मल्हारगढ़, जिला- मंदसौर की मृत्यु दिनांक 13.01.2019 को हो गई है। इनके ट्रेक्टर जिसका रजिस्ट्रेशन क्रमांक एमपी 14 एसी 5444 को इनकी पत्नी वरदीबाई ने अपने नाम पर अंतर्गण दर्ज कराने हेतु इस कार्यालय में मूल दस्तावेज प्रस्तुत किये है।

इस प्रकाशन अवधि के सात दिवस में यदि किसी को आपत्ति हो तो इसे कार्यालय में प्रस्तुत करें। इसके पश्चात उक्त ट्रेक्टर को श्रीमती वरदीबाई गायरी पति सुखलाल गायरी के नाम से अंतरण कर दिया जावेगा।

अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, मंदसौर

खनिजों का अवैध परिवहन करते 5 वाहन जप्त

नीमच, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। खनिजों का अवैध परिवहन करने की प्राप्त हो रही शिकायतों के संबंध में कलेक्टर श्रीमान हिमांशु चन्द्रा के निर्देशन पर खनिज विभाग की टीम द्वारा कल दोपहर से आज रात्रि 2:00 बजे के मध्य 05 वाहन जप्त किए गए। जिला खनिज अधिकारी श्री आरिफ खान ने बताया कि कल दोपहर में खण्डा से भरा एक ट्रेक्टर शहर के विकास नगर से जप्त किया गया। तथा विभाग की टीम ने पुन: रात्रि 11 बजे से अभियान चलाया। जिसके अंतर्गत सहायक खनि अधिकारी श्री गजेन्द्रसिंह डावर एवं सर्वेयर श्री सुनिल जाधव द्वारा होमगार्ड सैनिक राजेन्द्रसिंह, बलवंतसिंह, जितेन्द्रसिंह गिरी एवं जितेन्द्रसिंह के साथ कानका क्षेत्र में मुरूम का अवैध परिवहन कर रहे 03 डम्परों को जप्त किया गया तथा रेत का 01 डम्पर सगराना घाटी में जप्त किया गया। उक्त चारों वाहन नयागांव पुलिस चैकी की अभिरक्षा में रखे गये है। श्री खान ने बताया कि अवैध उत्खननकर्ताओं एवं परिवहनकर्ताओं के विरूद्ध लगातार कार्यवाही जारी रहेगी।

चलो प्रयाग राज महाकुंभ

10 जनवरी श्री महादेव तीर्थ यात्रा मंदसौर द्वारा किराया मात्र 8501/-

स्लीपर बस द्वारा

****** संपर्क करें ******

महेश परमार 7470433491, 9575987517

राजकुमार गुप्ता, एडव्होकेट

कार्यालय व निवास-207 तिरूपति नगर, होटल सम्राट के सामने पानी की टंकी के पास स्टेशन रोड, मंदसौर (मप्र)-458001 Mobile No-98260-58658 E-Mail-rkguptamds@gmail.com

क्रमांक 81/2024 दिनांक 21.12.2024

***** जाहिर सूचना *****

सर्व साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा सुनीता पति धर्मेन्द्र, जाति-पाटीदार, निवासी ग्राम गोंडी धर्मसी, तहसील-जावरा, जिला-रतलाम से आवासीय भूखंड जो भूमि मकान पंजी क्रमांक 210, संपत्ति क्रमांक 12, पर दर्ज होकर, पता-ग्राम गोंडी धर्मसी, तहसील-जावरा, जिला-रतलाम उनके हक और हिस्से का स्वत्व: त्याग विधिवत रजिस्टर्ड, स्वत्व त्याग विलेख ई-स्टाम्प कोड क्र. 010116191220240003967, दिनांक 19.12.2024 से मेरे पक्षकार धर्मेन्द्र पिता रामलाल, जाति-पाटीदार, निवासी ग्राम गोंडी धर्मसी, तहसील-जावरा, जिला-रतलाम के पक्ष में उप पंजी कार्यालय जावरा में करवाया गया है। उक्त मकान की चतुर्सीमा व पैमाईश निम्नानुसार है:- पूर्व में-रास्ता, पश्चिम में-दयाराम जी का मकान, उत्तर में-आम रास्ता, दक्षिण में-बालकिशनजी का मकान, पैमाईश रकबा 936 वर्ग फीट एवं 86.95 वर्ग मीटर

उक्त सम्पत्ति पर मेरे पक्षकार द्वारा INDIAN SHELTER FINANCE, CORPORATION LIMITED, Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है, यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार बोझ आदि उक्त सम्पत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 07 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के आपत्ति प्रस्तुत करें, वरना बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी जो सूचित हो।

भवदीय
राजकुमार गुप्ता, एडवोकेट मन्दसौर

राजकुमार गुप्ता, एडव्होकेट

कार्यालय व निवास-207 तिरूपति नगर, होटल सम्राट के सामने पानी की टंकी के पास स्टेशन रोड, मंदसौर (मप्र)-458001 Mobile No-98260-58658 E-Mail-rkguptamds@gmail.com

क्रमांक 80/2024 दिनांक 21.12.2024

***** जाहिर सूचना *****

सर्व साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा निर्मला पति ईश्वरलाल, जाति-पाटीदार, निवासी ग्राम गोंडी धर्मसी, तहसील-जावरा, जिला-रतलाम से आवासीय भूखंड जो भूमि मकान क्रमांक 178, पंजी क्रमांक 224, संपत्ति क्रमांक 17, पर दर्ज होकर, पता-ग्राम गोंडी धर्मसी, तहसील-जावरा, जिला-रतलाम उनके हक और हिस्से का स्वत्व: त्याग विधिवत रजिस्टर्ड, स्वत्व त्याग विलेख ई-स्टाम्प कोड क्र. 010116201220240001527, दिनांक 20.12.2024 से मेरे पक्षकार ईश्वरलाल पिता हीरालाल, जाति-पाटीदार, निवासी ग्राम गोंडी धर्मसी, तहसील-जावरा, जिला-रतलाम के पक्ष में उप पंजी कार्यालय जावरा में करवाया गया है। उक्त मकान की चतुर्सीमा व पैमाईश निम्नानुसार है:- पूर्व में-आम रास्ता रोड, पश्चिम में-मांगीलाल जी का मकान, उत्तर में-राधेश्याम जी का मकान, दक्षिण में-बंशीलाल जी का मकान, पैमाईश रकबा 800 वर्ग फीट एवं 74.32 वर्ग मीटर

उक्त सम्पत्ति पर मेरे पक्षकार द्वारा INDIAN SHELTER FINANCE, CORPORATION LIMITED, Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है, यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार बोझ आदि उक्त सम्पत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 07 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के आपत्ति प्रस्तुत करें, वरना बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी जो सूचित हो।

भवदीय
राजकुमार गुप्ता, एडवोकेट मन्दसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in